डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

# झुग्गी झोपड़ी

प्रयागराज से प्रकाशित हम बनेंगे आपकी आवाज हिन्दी दैनिक

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,मंगलवार.15 नवंबर,2022 वर्ष–07 / अंक–185 प्रष्ठ–08 / मूल्य–2 रूपये

## बाली रवाना हुए PM नरेंद्र मोदी कहा- भारतीय समुदाय को संबोधित करने के लिए उत्सुक हूं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी–20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आज इंडोनेशिया के बाली रवाना हो गए। पीएम मोदी 14 से 16 नवंबर तक बाली में रहेंगे। जी–20 शिखर सम्मेलन 15–16 नवंबर को है। करीब 45 घंटे के अपने प्रवास के दौरान पीएम मोदी 20 कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। दुनिया के दिग्गज 20 देशों के समूह जी–20 के प्रमुखों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के अलावा प्रधानमंत्री इसमें हिस्सा लेने वाले 10 देशों के प्रमुखों से द्विपक्षीय मुलाकात भी करेंगे। इसमें बहुपक्षीय व द्विपक्षीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी।

जी–20 संगठन का अगला अध्यक्ष भारत

जी–20 संगठन का अगला अध्यक्ष भारत है और इसकी अगली बैठक सितंबर, 2023 में नई दिल्ली में ही होने वाली है। इस नजरिए से भी पीएम मोदी का दौरा अहम माना जा रहा है। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बताया कि शिखर सम्मेलन तीन सत्रों में होगा और पीएम मोदी इन तीनों सत्रों में दूसरे वैश्विक नेताओं के साथ हिस्सा लेंगे। यह पूछे जाने पर कि पीएम मोदी की मुलाकात किन वैश्विक नेताओं से होगी, इसके जबाव में क्वात्रा ने बताया कि इस बारे में संबंधित देशों के साथ बातचीत की जा रही है और कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा

बाली शिखर सम्मेलन के दौरान, पीएम मोदी और अन्य जी–20 नेता वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, पर्यावरण, कृषि, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन समेत कई मुद्दों पर विचार–विमर्श करेंगे। क्वात्रा ने बताया, शिखर सम्मेलन के दौरान तीन वर्किंग सेशन होंगे, जिसमें प्रधानमंत्री प्रतिभाग करेंगे। इनमें खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल परिवर्तन और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे शामिल हैं। वहीं इंडोनेशिया में भारतीय राजदूत मनोज कुमार भारती ने कहा, भले ही प्रधानमंत्री मोदी का इंडोनेशिया का यह दौरा बहुत छोटा हो, लेकिन रणनीतिक रूप से यह दौरा बहुत ही महत्वपूर्ण रहने वाला है।

भारत, इंडोनेशिया और ब्राजील की तिकड़ी

विदेश सचिव ने बताया कि भारत की अध्यक्षता में होने वाले जी–20 सम्मेलन के लिए भारत, इंडोनेशिया और ब्राजील ने नेतृत्वकर्ता तिकड़ी का गठन किया है। उन्होंने कहा, जी–20 के इतिहास में पहली बार तीन विकासशील और उभरती वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं एक साथ आई हैं। 85 फीसदी जीडीपी जी–20 में रू वर्तमान वैश्विक आर्थिक सहयोग के लिहाज से जी–20 का महत्वपूर्ण स्थान है और अर्थव्यवस्था और विकास के बड़े अंतरराष्ट्रीय मामलों को आकार और मजबूती देने में यह अहम भूमिका निभाता है। दुनिया की 85 फीसदी जीडीपी जी–20 के सदस्य देशों में है, जबकि दुनिया का 75 फीसदी व्यापार और करीब 66 फीसदी आबादी यहां रहती है। एजेंसी

पीएम मोदी और ब्रिटिश पीएम सुनक की होगी मुलाकात

जी–20 सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक के साथ मुलाकात हो सकती है। पिछले महीने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनने के बाद ऋषि सुनक की मोदी के साथ पहली बैठक होगी। बाली के लिए रवाना होने से पहले सुनक ने एक बयान में कहा कि व्लादिमिर पुतिन के युद्ध ने दुनियाभर में तबाही मचाई है और जीवन को नष्ट किया है। अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को उथल–पुथल में डाल दिया है।

भारतीय समुदाय को संबोधित करने के लिए उत्सुकरू पीएम मोदी

जी20 शिखर सम्मेलन में शिरकत करने के लिए इंडोनेशिया के लिए रवानगी से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि मैं 15 नवंबर को एक स्वागत समारोह में बाली में भारतीय समुदाय को संबोधित करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा, बाली शिखर सम्मेलन के दौरान, मैं वैश्विक मुद्दों, जैसे वैश्विक विकास, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन पर ळ20 नेताओं के साथ व्यापक चर्चा करूंगा। उन्होंने बताया, इस सम्मेलन से इतर, मैं अन्य देशों के नेताओं से मिलूंगा और उनके साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करूंगा। उन्होंने बताया, हमारे देश के लिए यह महत्वपूर्ण है कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो बाली शिखर सम्मेलन के समापन समारोह में भारत को ळ20 की अध्यक्षता सौंपेंगे। भारत एक दिसंबर से आधिकारिक तौर पर ळ20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा।

## कांग्रेस की इस चाल से कांग्रेसी भी रह गए हैरान राहुल गांधी को लेकर यह फैसला बना अहम

हिमाचल प्रदेश और गुजरात के महत्वपूर्ण चुनावों मे हर और चर्चा रही कि राहुल गांधी को दोनों राज्यों में जमकर प्रचार करना चाहिए । लेकिन राहुल गांधी तो हिमाचल प्रदेश के चुनाव में एक दिन गए तक नहीं। गुजरात के चुनाव में कुछ कार्यक्रम प्रस्तावित है लेकिन उनकी तारीख तय नहीं है। सियासी गलियारों में चर्चा इस बात की हो रही है कि राहुल की भारत जोड़ो यात्रा किस काम की जब वह खुद चुनावों में प्रचार करने नहीं पहुंच पा रहे हैं। लेकिन हकीकत यह है भारत जोड़ो यात्रा की रणनीति बनाने वालों ने ऐसा ताना–बाना बुना कि विपक्षी तो विपक्षी कांग्रेस पार्टी के बड़े–बड़े नेता तक चकरा गए। भारत जोड़ो यात्रा की रणनीति बनाने वालों में शामिल एक प्रमुख कांग्रेस के नेता कहते हैं कि भारत जोड़ो यात्रा को लेकर जो रणनीति बनाई गई थी वह चुनावों के लिहाज से बिल्कुल सटीक बैठ रही है। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा का मकसद विधानसभा चुनाव नहीं कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा से जुड़े हुए एक वरिष्ठ कांग्रेस के नेता कहते हैं कि उनका मकसद विधानसभा के चुनाव तो थे ही नहीं। हालांकि उनका कहना है कि भारत जोड़ो यात्रा चुनावी यात्रा नहीं है। लेकिन सियासी जानकारों का कहना है कि कोई भी राजनीतिक यात्रा बगैर चुनाव या राजनैतिक मकसद के नहीं होती है। हालांकि कांग्रेस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि जो यात्रा चल रही है उसका टारगेट राज्यों के विधानसभा चुनाव नहीं बल्कि लोकसभा के चुनाव तक पूरी हवा बनाने की है। राजनैतिक विश्लेषक और एसएस ओझा कहते हैं कि राहुल गांधी के चुनावी राज्यों में ना जाना यह बिल्कुल कम जाना राजनीतिक लिहाज से कांग्रेस की एक बहुत सधी हुई रणनीति मानी जा सकती है। हालांकि ओझा का कहना है कि भारत जोड़ो यात्रा की पूरी रणनीति बनाने वालों की क्या योजना रही होगी यह तो वही जाने। लेकिन राहुल गांधी का चुनाव प्रचार के लिए ना पहुंचना न सिर्फ कांग्रेस बल्कि व्यक्तिगत तौर पर राहुल गांधी के लिए फिलहाल एक पॉजिटिव नैरेटिव सेट करने जैसी स्थिति में है।तब राहुल पर खड़े होते सवाल कांग्रेस पार्टी से ही जुड़े एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि अगर राहुल गांधी चुनाव में जाते और उसके परिणाम सकारात्मक नहीं आते तो राहुल गांधी के ऊपर सवाल खड़े होने लगते हैं। यही नहीं पूरा विपक्ष मिलकर राहुल गांधी और उनकी पूरी यात्रा को फेल कराने के मकसद से जुड़ जाता। पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि ऐसा नहीं है पार्टी की स्थिति के बारे में पार्टी आलाकमान को जानकारी नहीं है। यही वजह है कि राहुल गांधी का पूरा फोकस भारत जोड़ो यात्रा पर ही बना रहा। पार्टी के एक वरिष्ठ

नेता कहते हैं अगर राहुल गांधी चुनावों में जाते और चुनावी रैलियों में शिरकत करते तो यह मान लिया जाता कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पूरी तरीके से राजनैतिक है। कांग्रेस के नेताओं और भारत जोड़ो यात्रा की रणनीति बनाने वालों में शामिल एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि पार्टी और वरिष्ठ नेता यह नहीं चाहते थे कि भारत जोड़ो यात्रा जब खत्म हो तो वह भी मकसद साबित हो।

## संक्षिप्त सार

**नेताजी की जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग वाली याचिका खारिज..**

सुप्रीम कोर्ट ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती 23 जनवरी को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की मांग वाली जनहित याचिका को सोमवार को खारिज कर दिया। कोर्ट ने याचिका को जनहित याचिका का उपहास करार दिया। कोर्ट ने कहा कि इस तरह के फैसले सरकार की नीति का हिस्सा हैं।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी। पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि नेताजी की सेवाओं को मान्यता देने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि वे कड़ी मेहनत करें, क्योंकि उन्होंने भारत की आजादी के लिए कड़ी मेहनत की थी। पीठ ने कहा कि अदालत सरकार से कोई विशेष निर्णय लेने के लिए नहीं कह सकती, क्योंकि यह मुद्दा कार्यपालिका के नीति निर्माण के दायरे में आता है।

पीठ ने याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया जाना है या नहीं, यह सरकार की नीति का मामला है।

## रवींद्र जडेजा ने पत्नी रिवाबा के लिए मांगे वोट

गुजरात विधानसभा चुनाव अपनी ही ननद के सामने जोरशोर से चुनावी मैदान में उतरीं रीवाबा जडेजा के लिए पति रविंद्र जडेजा ने रविवार को जामनगर के लोगों से उनकी पत्नी को वोट देने की अपील की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रीवाबा को जामनगर (उत्तर) सीट से उतारा है।

पत्नी को वोट देने की अपील

रविंद्र जडेजा ने एक वीडियो ट्वीट कर जामनगर के लोगों और क्रिकेट प्रशंसकों से उनकी पत्नी को वोट देने की अपील की। साथ ही कहा कि गुजरात चुनाव यहां है और यह एक टी 20 मैच की तरह है। मेरी पत्नी भाजपा के टिकट पर राजनीति में अपनी पहली शुरुआत कर रही है! कल वह अपना नामांकन दाखिल करेगी। मैं जामनगर के लोगों और सभी क्रिकेट प्रेमियों से बड़ी संख्या में आने की अपील करता हूं और उसका समर्थन करें।

रवींद्र जडेजा की बहन भी इसी सीट से मैदान में

भाजपा ने जामनगर नॉर्थ के मौजूदा विधायक धर्मेंद्र सिंह जडेजा को हटाकर रीवाबा जडेजा को टिकट दिया है। वहीं दूसरी ओर रवींद्र जडेजा की बहन नयनाबा एक स्थानीय कांग्रेस नेता हैं और हाल ही में उन्हें विपक्षी दल की राज्य महिला शाखा में सचिव नियुक्त किया गया था। अपनी भाभी पर ननद नयनाबा ने निशाना साधते हुए कहा कि वह (रीवाबा जडेजा) एक सेलिब्रिटी हैं। मुझे नहीं लगता कि उनकी उम्मीदवारी से भाजपा को यह सीट जीतने में मदद मिलेगी। लोग ऐसे नेता चाहते हैं जो उनका काम करे और संकट में उनके साथ खड़ा हो। लोग ऐसे नेताओं को पसंद करते हैं जो उनके फोन उठाते हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें (रीवाबा को) ज्यादा वोट मिलेंगे, क्योंकि वह एक सेलिब्रिटी हैं। लोग जानते हैं कि मशहूर हस्तियां लोगों का काम नहीं करती हैं।

भाजपा ने गुजरात चुनाव के लिए 167 उम्मीदवारों के नाम जारी किए

वहीं रविवार को भाजपा ने आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए एक और उम्मीदवार की घोषणा की। अब तक पार्टी ने गुजरात चुनाव के लिए 167 उम्मीदवारों के नाम जारी किए हैं। इससे पहले शनिवार को बीजेपी ने छह उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की थी। छह उम्मीदवारों की दूसरी सूची में भाजपा ने दो महिलाओं को टिकट दिया है। इसमें धोराजी से महेंद्रभाई पडलिया, खंभालिया से मुलुभाई बेरा, कुटियाना से ढेलीबेन मालदेभाई ओदेदरा, भावनगर पूर्व से सेजल राजीव कुमार पांड्या, देदियापाड़ा (एसटी) से हितेश देवजी वसावा और चोरयासी से संदीप देसाई को मैदान में उतारा गया है।

## डिंपल के लिए अच्छे नहीं रहे हैं मैनपुरी में इन चुनौतियों से पाना होगा पार उपचुनाव

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने आज मैनपुरी लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल कर दिया। यहां पांच दिसंबर को उपचुनाव होने हैं। ये सीट सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद खाली हुई है। 1996 से इस सीट पर समाजवादी पार्टी का कब्जा है। पांच बार खुद मुलायसिंह यहां से सांसद चुने गए। इसके अलावा मुलायम परिवार के ही तेज प्रताप सिंह यादव, धर्मेंद्र यादव एक–एक बार यहां से जीत चुके हैं। दो बार सपा के टिकट पर ही बलराम सिंह यादव ने यहां से चुनाव जीता था। अभी तक भाजपा व अन्य दलों ने अपने उम्मीदवारों का एलान नहीं किया है। सवाल ये है कि डिंपल यादव के लिए इस चुनाव में क्या चुनौती होगी? अब तक डिंपल का राजनीतिक परफॉरमेंस कैसा रहा है? सपा ने मुलायम की राजनीतिक विरासत को बचाए रखने के लिए क्या तैयारी की है? भाजपा डिंपल के घेरने के लिए क्या कर

रही है? आइए समझते हैं....

पहले मैनपुरी लोकसभा सीट के बारे में जान लीजिए मैनपुरी में अभी करीब 17 लाख वोटर्स हैं। इनमें 9.70 लाख पुरुष और 7.80 लाख महिलाएं हैं। 2019 में इस सीट पर 58.5: लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। मुलायम सिंह यादव को कुल 5,24,926 वोट मिले थे, जबकि दूसरे नंबर पर रहे भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी प्रेम सिंह शाक्य के खाते में 4,30,537 मत पड़े थे। मुलायम को 94,389 मतों के अंतर से जीत मिली थी। जातीय समीकरण की बात करें तो ये सीट पिछड़े वर्ग के मतदाताओं की बहुलता वाली सीट है। यहां सबसे ज्यादा यादव मतदाता हैं। इनकी संख्या करीब 3.5 लाख है। शाक्य, ठाकुर और जाटव मतदाता भी अच्छी संख्या में हैं। इनमें करीब एक लाख 60 हजार शाक्य, एक लाख 50 हजार ठाकुर, एक लाख 40 हजार जाटव, एक लाख 20 हजार ब्राह्मण, एक लाख लोधी राजपूतों के वोट हैं। वैश्य और मुस्लिम मतदाता भी एक लाख के करीब हैं। कुर्मी मतदाता भी एक लाख से ज्यादा हैं। मैनपुरी लोकसभा सीट में विधानसभा की पांच सीटें आती हैं। इनमें चार सीटें– मैनपुरी, भोगांव, किशनी और करहल मैनपुरी जिले की हैं। इसके साथ ही इटावा जिले की जसवंतनगर विधानसभा सीट भी इस लोकसभा सीट का हिस्सा है। इस साल हुए विधानसभा चुनाव में मैनपुरी जिले की दो सीटों पर भाजपा, जबकि दो पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ने जीत हासिल की थी।

## पीएम ने मांगे मन की बात के लिए सुझाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने बहुचर्चित मन की बात कार्यक्रम के आगामी संस्करण के लिए देश के लोगों से विचार व सुझाव मांगे हैं। इस कार्यक्रम का अगला एपिसोड 27 नवंबर को सुबह 11 बजे आकाशवाणी पर प्रसारित किया जाएगा। संदेश को रिकॉर्ड करने के लिए MyGov नमो ऐप या डॉयल 1800–11–7800 पर विचारों को साझा किया जा सकता है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा रविवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। यह कार्यक्रम हर माह के अंतिम रविवार को रेडियो पर प्रसारित किया जाता है। मॉयगव (डलळवअ) पर आमंत्रण को साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया– मैं इस महीने के MannKiBaat के लिए आपके व्यावहारिक विचारों और सुझावों को प्राप्त करने के लिए उत्सुक हूं, जो 27 तारीख को प्रसारित होगा। सुझाव MyGov, नमो ऐप पर साझा करें या 1800 डॉयल करके अपना संदेश रिकॉर्ड करें।पीएम मोदी ने 30 अक्टूबर को मन की बात के 94वें संस्करण को संबोधित किया था। उन्होंने इसमें पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली अपनाने और प्रकृति के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भारतीय समाज में निहित है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता हमारे समाज के कण–कण में समाई हुई है और हम इसे अपने चारों तरफ महसूस कर सकते हैं। देश में ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जो पर्यावरण की सुरक्षा में अपना जीवन व्यतीत करते हैं।मन की बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक मासिक रेडियो प्रसारण है। इसमें वे ऑल इंडिया रेडियो, टेलीविजन के डीडी नेशनल और डीडी न्यूज चौनल पर देश के लोगों को संबोधित करते हैं।

## सेवा कर्म करते हुए मनाया जन्मदिन

14 नवंबर प्रयागराज, जनहित संघर्ष समिति के युवा अध्यक्ष एवं समाजसेवी अभिलाष क्रांति ने बाल दिवस एवं अपने जन्मदिवस के अवसर पर दिव्यांग, नेत्रहीन, कुष्ठ रोगी, एवं असहाय, बच्चों को फल, केक, भोजन, खिलौना आदि का वितरण कुष्ठ रोग आश्रम संगम एवं आजाद पार्क नेत्र हीन बच्चों के विद्यालय में वितरण किया इस अवसर पर राजेश केसरवानी, सचिन गुप्ता सुमित केसरवानी आदि उपस्थित रहे

## दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत शिक्षण संस्थान पात्र छात्र-छात्राओं के आवेदन पत्रों को 15 नवम्बर के अन्दर प्रत्येक दशा में ऑनलाइन अग्रसारित करना सुनिश्चित करें

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी श्री इन्द्रसेन सरोज ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि वर्ष 2022–23 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत छात्र/छात्राओं द्वारा ऑन–लाइन किये गये आवेदन पत्रों को शिक्षण संस्थाओं द्वारा अग्रसारित किये जाने की अन्तिम तिथि शासन द्वारा दिनांक 15 नवम्बर, 2022 निर्धारित की गयी है। उन्होंने जनपद के शिक्षण संस्थाओं को सूचित किया है कि पात्र छात्र–छात्राओं के आवेदन पत्रों को दिनांक 15 नवम्बर, 2022 के अन्दर प्रत्येक दशा में ऑनलाइन अग्रसारित करना सुनिश्चित करें। यदि शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा के अंदर शिक्षण संस्थाओं द्वारा पात्र छात्र/छात्राओं के आवेदन पत्रों को अग्रसारित नहीं किया जाता है, तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी सम्बंधित शिक्षण संस्थानों की होगी।

## एसपीओ टीम के सदस्यों ने की नैनी थाना प्रभारी से मुलाकात

नैनी,प्रयागराज रविवार को आज विशेष पुलिस अधिकारी एवं पुलिस मित्र के प्रभारी अभय राज सिंह ने थाना प्रभारी निरीक्षक नैनी बृजेश सिंह, एसएसआई अजय सिंह,चौकी प्रभारी सुरेन्द्र सिंह से मुलाकात की।प्रभारी ने एसपीओ और पुलिस मित्र के बारे में जानकारी दी। कि एसपीओ टीम को पिछले दो दशकों से चला रहा हूं।जिसकी देखभाल में स्वयं कर रहा हूं।पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा नैनी थाना अंतर्गत पिछले कई वर्षों से चल रहा है। औपचारिक मुलाकात में उपस्थित लोगों में उप प्रभारी परवेज अहमद, जनसंपर्क अधिकारी शेख लियाकत अली ,संगठन सचिव रविंद्र सिंह,मीडिया प्रभारी विरेन्द्र कुमार पटेल,सेल मीडिया प्रभारी संदीप विश्वकर्मा ,घनश्याम जायसवाल,सीनियर एरिया इन्चार्ज राम जी जायसवाल ,एरिया इंचार्ज संजीव वर्मा,राजीव वर्मा,धर्मराज पटेल,प्रेमचंद्र,रमेश केसरवानी, दिनेश केसरवानी, प्रदीप कुमार,सुशील शर्मा, दीपक केसरवानी,उमाशंकर चौरसिया,दीपक चौरसिया राजू साहनी, अजय सिंह, अकाश सिंह,धीरज मिश्रा, अमित सिंह, पंकज मलिक, राकेश सोनकर,आदि मौजूद रहें।

## बाइक से घर लौट रहे युवक की सिर में गोली मारकर हत्या

कुशीनगर जिले के तरयासुजान थाना क्षेत्र के सिसवा नाहर बाजार से घर लौट रहे एक युवक की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद बाइक सवार दोनों बदमाश बिहार की तरफ भाग निकले।

जानकारी के मुताबिक, अहिरौलीदान निवासी रामधारी गोंड के पुत्र वीरसागर गोंड (35) सिसवा नाहर बाजार से शाम को घर लौट रहे थे। तकरीबन छह बजे खैरटिया गांव के समीप पहले से घात लगाए बाइक सवार दो बदमाशों ने वीरसागर के सिर में गोली मार दी। इससे वीरसागर गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।

घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों की सहायता से घायल युवक को तमकुहीराज सीएचसी ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद युवक को मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया।


विज्ञापन दर

समाचार पत्र का साइज 25x32

फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक
और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।
अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626


# रबी गोष्ठी में शामिल हुए सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेती में अत्याधुनिक तकनीकी का प्रयोग व प्राकृतिक खेती आज की आवश्यकता है। इस परिप्रेक्ष्य में हमें गो आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। यह जीरो बजट खेती है और इसके अच्छे परिणाम भी सामने आ रहे हैं। प्राकृतिक खेती में तकनीकी से उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। थोड़ी जागरूकता व सावधानी से प्राकृतिक खेती के जरिये कम लागत में अधिक उत्पादकता प्राप्त कर किसान आमदनी बढ़ा सकते हैं। परंपरागत खेती को आधुनिक तरीके से करने के साथ किसानों को बागवानी, सब्जी व सह फसली खेती की ओर अग्रसर होना होगा इससे उनकी अधिक से अधिक आमदनी हो सकेगी।

सीएम योगी सोमवार को महंत दिग्विजयनाथ पार्क में गोरखपुर, बस्ती, आजमगढ़ व देवीपाटन मंडल की रबी उत्पादता समीक्षा गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की आबादी का सबसे बड़ा राज्य है। खेती–किसानी यहां आमदनी का एक बड़ा जरिया है। देश की सबसे अच्छी उर्वर भूमि और सबसे अच्छा जल संसाधन उत्तर प्रदेश में है। यहां की भूमि की उर्वरता व जल संसाधन की ही देन है कि देश की कुल कृषि योग्य भूमि का 12 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद देश के खाद्यान्न उत्पादन में अकेले उत्तर प्रदेश का योगदान 20 प्रतिशत का है। इसे अभी तीन गुना तक बढ़ाए जाने की संभावना है।

सीएम योगी ने कहा कि समय पर अच्छी गुणवत्ता का बीज तथा तकनीकी का प्रयोग कर हमें कम लागत में अधिक उत्पादकता बढ़ाने में सफलता मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी यही मंशा है कि खेती की लागत को कम करते हुए उत्पादकता बढ़ाई जाए ताकि किसानों की आमदनी दोगुनी हो सके। इसके लिए व्यापक कार्यक्रम व अभियान भी चलाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसल उत्पादन में रबी का सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण होता है और इसमें भी मुख्य फसल गेहूं की होती है। गेहूं उत्पादन के मामले में उत्तर प्रदेश पूरे देश में नंबर एक पर है। हर जिले में कृषि विज्ञान केंद्रों से परामर्श, समय पर बीज व पानी की व्यवस्था कर सरकार किसानों की भरपूर मदद कर रही है। किसानों के हित में पहली बार फसल बीमा योजना शुरू की गई। कोरोना काल में भी किसानों ने दुनिया को निराश नहीं किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि ढाई साल के कोरोना काल में सिर्फ कृषि सेक्टर की उत्पादकता बढ़ी। किसानों ने दुनिया को निराश नहीं होने दिया। खेतों में अन्न पैदा होता रहा तो गरीबों को मुफ्त में राशन लेने की दुनिया की सबसे बड़ी स्कीम अपने देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाई गई। देश में 80 करोड़ तथा उत्तर प्रदेश में 15 करोड़ लोगों को प्रतिमाह मुफ्त में दो बार राशन दिया गया। सरकार ने भी किसानों को लागत का डेढ़ गुना एमएसपी देने के साथ ही यह सुनिश्चित किया कि महामारी के चलते किसी के भी रोजगार पर असर न पड़े और न ही किसी को खाने के लाले पड़ें। जनकल्याणकारी सरकार का यही कार्य भी होता है।

21 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि पर मिली सिंचाई की सुविधा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पिछले 5 सालों में हर सेक्टर में कुछ न कुछ नया हुआ है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना से पिछले पांच साल में प्रदेश में 21 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि पर सिंचाई की सुविधा मिली है। सरयू नहर परियोजना से पूर्वी उत्तर प्रदेश के नौ जिलों में अतिरिक्त भूमि पर सिंचाई सुनिश्चित हुई है। हर जिले में व्यापक स्तर पर नलकूप की स्कीम चलाने के साथ सिंचाई की सुविधा को बढ़ाने के लिए पीएम कुसुम योजना के तहत किसानों को अपने खेतों में सोलर पंप लगाने की व्यवस्था की जा रही है।

1.80 लाख करोड़ रुपये का हुआ गन्ना मूल्य भुगतान

सीएम योगी ने कहा कि कोरोना संकट के दौरान भी सरकार ने सभी चीनी मिलों का संचालन किया। किसानों को 1.80 लाख करोड़ रुपए का गन्ना मूल्य भुगतान किया गया। एक बार फिर चीनी मिलों में पेराई सत्र प्रारंभ होने जा रहा है। सरकार ने पिपराइच व मुंडेरवा में चीनी मिलों को चलाकर गन्ना किसानों के हित में बड़ी पहल की है।

अब तक हो चुकी तीन लाख मीट्रिक टन धान की खरीद

मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों की मांग के अनुरूप पर्याप्त संख्या में धान क्रय केंद्र खोले जाएं ताकि अन्नदाता आसानी से अपनी उपज बेच सकें। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक तीन लाख मैट्रिक टन धान की खरीद हो चुकी है। धान, बाजरा, मक्का सभी फसलों का क्रय न्यूनतम समर्थन मूल्य पर करते हुए किसानों के खातों में डीबीटी के माध्यम से धनराशि यथाशीघ्र उनके बैंक खातों में अंतरित करने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया है।

सीएम योगी के नेतृत्व में 5 सालों से उत्तर प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन में सर्वप्रथमरू कृषि मंत्री

रबी उत्पादकता समीक्षा गोष्ठी में प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि मंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन में पिछले 5 सालों से देश में सर्वप्रथम है देश में 32 प्रतिशत गेहूं का उत्पादन अकेले उत्तर प्रदेश में हो रहा है। खेती की गुणवत्ता के लिए अधिक मात्रा में खाद के प्रयोग से बचने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि अच्छे बीज, समय पर बुवाई व तकनीकी के कारगर प्रयोग से किसान उत्पादन बढ़ा सकते हैं।

कृषि मंत्री ने बताया कि सरकार सभी ब्लॉकों में 50 फीसद अनुदान पर बीज उपलब्ध करा रही है। पिछले 5 साल में अनुदानित बीज की मात्रा 4.5 लाख कुंतल से बढ़ाकर 7.5 कुंतल कर दी गई है। इसके साथ ही सरकार दलहन व तिलहन के चार लाख मिनी किट किसानों में वितरित कर चुकी है। पराली जलाने की समस्या का जिक्र करते हुए कृषि मंत्री ने बताया कि पंजाब की तुलना में उत्तर प्रदेश में पराली जलाने के मामले न्यूनतम हैं। किसानों के हित में प्रदेश सरकार के कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि 450 करोड़ों रुपए का अनुदान कृषि यंत्रों पर दिया गया है। पिछले 5 साल में 27000 सोलर पंप लगाए गए हैं। रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान से गन्ने की खेती का रकबा 22 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 27 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। दुनिया में प्राकृतिक कृषि उत्पादों की बढ़ती मांग को देखते हुए सभी जिलों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मोटे अनाजों के उत्पादन के लिए 2.5 लाख किसानों को करेंगे प्रोत्साहित

कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर दुनिया के 70 देशों ने एक स्वर में वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में मनाने का संकल्प लिया है। पीएम मोदी के प्रयासों से ज्वार, बाजरा, कोदो, सांवा आदि मोटे अनाजों को वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान मिलने जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के अनुरूप प्रदेश सरकार 2.5 लाख किसानों को मोटे अनाजों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करेगी। कृषि मंत्री ने अनुरोध किया कि सांसद रवि किशन शुक्ला मोटे अनाजों के ब्रांड एंबेसडर बनें।

कृषि क्षेत्र सीएम योगी की विशेष प्राथमिकता का विषयरू कृषि राज्यमंत्री

कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह ओलख ने कहा कि कृषि क्षेत्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विशेष प्राथमिकता का विषय है। पिछले 5 साल में कृषि क्षेत्र की तरक्की उनकी प्राथमिकता की ही देन है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों की आय दोगुनी–चौगुनी करने की दिशा में काम कर रही है।

किसानों के लिए अनगिनत योजनाएं चला रही केंद्र व प्रदेश सरकाररू सांसद रविकिशन

गोरखपुर के सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार किसानों के हित में अनगिनत योजनाएं चला रही है। उन्होंने कई योजनाओं का उल्लेख करने के साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहली बार मुख्यमंत्री बनते ही प्रदेश के किसानों का 32000 करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर दिया। पहले जहां यूरिया के नाम पर लाठी चलती थी वहीं अब यूरिया की सहज उपलब्धता है। तिलहन–दलहन से आमदनी बढ़ा सकते हैं किसानरू कृषि उत्पादन आयुक्त

कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने रबी उत्पादकता गोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि देश में प्रति वर्ष एक लाख करोड़ रुपये के खाद्य तेल और 30 हजार करोड़ रुपये के दलहन का आयात होता है। किसान भाई तिलहन व दलहन की खेती से अपनी आमदनी बढ़ाने के साथ आयात पर निर्भरता भी कम कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि देश के खाद्यान्न उत्पादन में उत्तर प्रदेश का योगदान 600 लाख टन का है। इसमें 400 लाख टन खाद्यान्न का उत्पादन रबी में होता है। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि वर्तमान में धान क्रय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। 90 फीसद किसान एक माह में ही अपना खाद्यान्न बेच देते हैं। इसे देखते हुए पर्याप्त संख्या में क्रय केंद्र स्थापित कर यह व्यवस्था की जा रही है कि किसानों का धान केंद्रों पर कुछ घण्टे में ही क्रय कर लिया जाए। इस अवसर पर प्रदेश के मत्स्य विकास मंत्री संजय निषाद, उद्यान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह, बांसगांव के सांसद कमलेश पासवान, विधायकगण विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, श्रीराम चौहान, महेंद्र पाल सिंह, राजेश त्रिपाठी, डॉ विमलेश पासवान आदि मौजूद रहे। आभार ज्ञापन अपर मुख्य सचिव (कृषि) देवेश चतुर्वेदी ने किया।

मुख्यमंत्री ने कृषि योजनाओं के लाभार्थियों को किया सम्मानित

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम स्थल परिसर में लगाई गई कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में कृषि, उद्यान आदि विभागों की तरफ से प्राकृतिक खेती, तकनीकी, कृषि यंत्रों व विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के लिए कई स्टाल लगाए गए थे। मुख्यमंत्री ने कृषि योजनाओं के लाभार्थियों को मंच पर सम्मानित भी किया।

## मधुमेह बीमारी छीन रही आंखों की रोशनी

मधुमेह (डायबिटीज) की वजह से लोगों की आंखों की रोशनी जा रही है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में हर माह 25 से 30 मरीज ऐसे पहुंच रहे हैं, जिनकी आंखों की रोशनी मधुमेह की वजह से जा रही है। हालांकि, सही समय पर मेडिकल कॉलेज पहुंचने वाले 60 फीसदी मरीजों की रोशनी बचाई जा रही है। लेकिन, इलाज में देरी होने से हर माह 25 से 30 मरीज आंखों की रोशनी गवां रहे हैं। इस बीमारी को डायबिटिक रेटिनोथेरेपी (आंखों के पर्दे कमजोर हो जाना) कहा जाता है। विशेषज्ञों की सलाह है कि मधुमेह के मरीज समय–समय पर आंखों की जांच जरूर कराएं।इ बीआरडी मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. रामकुमार जायसवाल ने बताया कि मधुमेह की वजह से मरीजों में डायबिटिक रेटिनोथेरेपी का खतरा बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ सालों में इस बीमारी के मरीज तेजी से बढ़े हैं। मेडिकल कॉलेज में प्रतिदिन 15 से 20 मरीज इस बीमारी से ग्रसित होकर इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें 50 फीसदी मरीजों को तो सही समय पर इलाज मिल जा रहा है, लेकिन 50 फीसदी मरीज देरी से पहुंच रहे हैं।

## बाल दिवस पर मैक्स चिल्ड्रेन हास्पिटल में छोटे बच्चों का हुआ चित्र में रंग भरो प्रतियोगिता

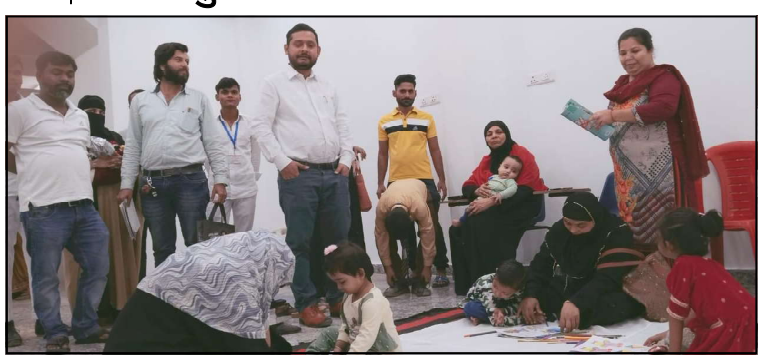

प्रयागराज – बाल दिवस के अवसर पर करैली के मैक्स चिल्ड्रेन हास्पिटल में छोटे छोटे बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उनका उत्साहवर्धन करने को चित्र में रंग भरो प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में ३वर्ष से ८वर्ष के दो दर्जन से अधिक बच्चों ने भाग लिया। डाक्टर काशिफ सिद्दीकी वा डॉक्टर हरदीप कौर के नेतृत्व में नाज हास्पिटल वा मैक्स चिल्ड्रेन हास्पिटल में गत दिनों जन्मे बच्चों का मुफ्त परिक्षण और परिजनों को बच्चों की देख भाल बेहतर ढ़ंग से करने का परिक्षण देने के साथ ३ वर्ष से ८ वर्षों के बच्चों के बीच चित्र में रंग भरो प्रतियोगिता कराई गई।जिसमें प्रथम स्थान पर आई नबीला ४वर्ष द्वितीय स्थान पर आई हेरत फात्मा ५वर्ष वा तृतिय स्थान पर ४वर्षीय नबील को डाक्टरों ने समाजसेवियों के हाथों उपहार भेंट कर सम्मानित करने के साथ सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में डॉ० नाज फात्मा ,डॉ०काशिफ सिद्दीकी ,डॉ०हरदीप कौर ,डॉ०जमशेद अली ,डॉ०अभिषेक कनौजिया ,नाज हास्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर अमित यादव ,आई हास्पिटल के मैनेजर सैय्यद मोहम्मद अस्करी ,रामिश रहमान ,मो०अलताफ रजा ,अजमल ,अर्शीया ,समाजसेवी सैय्यद अब्बास हुसैन एडवोकेट ,रोहित कुमार पाण्डेय एडवोकेट आदि उपस्थित रहे।

## बाल शिक्षा निकेतन स्कूल में बाल दिवस चाचा नेहरू का जन्मदिन छात्र छात्राओं ने विज्ञान प्रदर्शनी लगाकर बालसभा कर जन्मदिन धूमधाम से मनाया

बाल शिक्षा निकेतन स्कूल चकिया प्रयागराज में छात्र छात्राओं ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में विज्ञान प्रदर्शनी लगाकर , बालसभा कर जन्म दिन धूमधाम से मनाया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व सूबेदार कारगिल युद्ध विजेता श्यामसुंदर सिंह पटेल वरिष्ठ समाजसेवी उपस्थित रहे ,अध्यक्षता प्रबंधक ओम प्रकाश गुप्ता, संचालन प्रधानाचार्य श्रीमती छाया रानी ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन के साथ भारत माता की जय, चाचा नेहरू अमर रहे के उदघोष से हुआ तत्पश्चात बच्चों द्वारा लगाई गई विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन मुख्य अतिथि ,प्रबंधक,प्रधानाचार्य व शिक्षिकाओं आदि ने किया जो बहुत ही सराहनीय रहा इस अवसर पर बच्चों के अभिभावक भी सामिल रहे प्रदर्शनी में पर्यावरण संरक्षण ,सौर ऊर्जा ,वर्षा जल संरक्षण, ग्रामीण व शहरी परिवेश ,सूर्य व ग्रहण चंद्र ग्रहण की गतिविधियां आदि लगभग 50 तरह के उपकरण बनाए जो लोगों को आकर्षित किया व जानकारी दिया जिससे लोगों को इनके उपयोग की प्रेरणा मिली जिसकी सभी ने भूरी भूरी प्रशंसा किया तत्पश्चात बालसभा का आयोजन किया जिसमें सरस्वती वंदना, कविता पाठ,ज्ञान विज्ञान पर चर्चा हुई जिसमें छात्र वैष्णवी, उज्जवल केसरवानी ,आयुषी, इशिका ,शिवम साहू ,अंश, तहरीम नाज, सायना बानो, मानसी पाल, राज यादव ,प्राची ,सिमरन, नाजरीन, आरजू ,समर आदि ने कार्यक्रम प्रस्तुति से माहौल को मनोहरी व रोचक बनाया जिसका लोगों ने आनंद उठाया इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्याम सुंदर सिंह पटेल ने प्रदर्शनी की प्रशंसा कर बच्चों को अपना आशीर्वाद व शुभकामनाएं दिया आयोजकों व शिक्षिकाओं की योग्यता व इस प्रकार के रचनात्मक ज्ञान बच्चों को देकर उनका भविष्य उज्ज्वल बना रही है जो राष्ट्र निर्माण में सहायक होगा इसके लिए वे बधाई की पात्र हैं कह कर प्रशंसा कर उन्हें शुभकामनाएं दी आगे कहा कि हमारे प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश को स्वतंत्र कराने व देश के विकास व इसे ऊंचाइयों पर ले जाने मैं अपना सारा जीवन लगा दिया उनका सारा जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित था बच्चों से उन्हें बहुत प्यार था बच्चे उन्हें चाचा नेहरू करते थे इसीलिए उनका जन्मदिन बालदिवस के रूप में मनाया जाता है हम उन्हें शत–शत नमन करते हैं और उनके जीवन आदर्शों पर चलने का संकल्प लेते हैं उनके आदर्शों को हम सब अपने जीवन में उतारे यही उनके जन्मदिन मनाने की सार्थकता होगी जिस पर लोगों ने तालियां बजाकर खुशी जाहिर किया अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के प्रबंधक ओम प्रकाश गुप्ता ने किया कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिकाएं शिल्पा, रूपाली, शिक्षा, अंजलि, समीरा ,सुल्ताना ,शबनम ,मंत्रासा, रोहित आदि का योगदान सराहनीय रहा कार्यक्रम लगभग 300 से अधिक बच्चों ने भाग लिया अंत में राष्ट्रगान, भारत माता की जय ,चाचा नेहरू अमर रहे आदि नारों के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

## पान की खेती में बोर्डो मिश्रण का करें प्रयोग वीके सिंह

औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र खुसरोबाग प्रयागराज में चल रहे दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत डॉ अतुल यादव वैज्ञानिक नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज फैजाबाद द्वारा पान की खेती करने वाले कृषकों को पान बरेजा निर्माण करने की जानकारी देते हुए बताया कि पान खाने से लगभग 17 तरह की लाभ होते हैं इनमें मस्तिष्क पीड़ा रतौंधी हृदय विकार बच्चों की सर्दी आदि प्रमुख हैं प्रशिक्षण प्रभारी वीके सिंह द्वारा पान की खेती में लगने वाले रोग बीमारियों पर चर्चा करते हुए बताया गया कि पान के बरेजो में आर्द्रता अधिक होने के कारण रोग बीमारियों का प्रकोप अधिक होता है पान की फसल में प्रमुख रोग पात्र गलन एंथ्रेक्नोज पान की गंधाली आदि प्रमुख ऐसे रोग हैं जो फफूंदी के द्वारा फैलते हैं इनके नियंत्रण के लिए बोर्डो मिश्रण का प्रयोग लाभकारी होता है श्री सिंह द्वारा बोर्डो मिश्रण के तैयार करने की जानकारी देते हुए बताया कि नीला थोथा और चूना के सहयोग से इस फफूंदी नाशक दवा को किसान अपने घर पर आसानी से तैयार कर सकते हैं इसके प्रयोग करने से पान में लगने वाले प्रमुख रोगों से बचाव भी आसानी से किया जा सकता है उपरोक्त के अलावा औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र के पौध ाशला प्रभारी बच्चा सिंह एवं प्रदीप कुमार तथा अंकित मौर्या द्वारा भी किसानों को औद्यानिक फसलों की जानकारी दी गई प्रशिक्षण कार्यक्रम में जौनपुर वाराणसी आजमगढ़ आदि के कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया

## अवकाश प्राप्त रेलवे कर्मचारी हितकारी समिति की बैठक 15 नवंबर को

अवकाश प्राप्त रेलवे कर्मचारी हितकारी समित प्रयागराज के तत्वावधान में रेलवे पेंशनर्स की मासिक बैठक 15 नवम्बर 22 , मंगलवार को प्रातः 11:00 बजे से अपरान्ह 2:00 बजे तक बंगला नंबर 10 लोको कॉलोनी ,नवाब युसूफ रोड सिविल लाइंस, प्रयागराज में होगी जिसमें संस्था के पदाधिकारी व सदस्यगण , रेलवे पेंशनर्स भाई–बहन सभी सादर आमंत्रित है कृपया समय से पहुंचकर बैठक को सफल बनाएं बैठक की अध्यक्षता श्री राजबली शर्मा व संयोजन श्री सुरजीत सिंह,श्री सुशील कुमार श्रीवास्तव,रामलाल पटेल आदि करेंगे बैठक में पेंशनर्स के कल्याण संबंधी विषयों पर चर्चाएं होंगी व प्रस्ताव पारित कर कार्य योजना बनाई जाएगी ,जिसमें पुरानी पेंशन बहाली ,पेंशनर्स दिवस 17 दिसंबर को धूम धाम से मनाया जाय आदि विषय प्रमुख होंगे

## डा. लाल जी यादव का चयन प्रधानाचार्य में होने पर बुद्धिजीवियों ने दी बधाई

प्रयागराज 14 नवम्बर, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड द्वारा घोषित किए गए प्रधानाचार्य भर्ती 2013 के परिणाम में कर्नलगंज इंटर कॉलेज प्रयागराज के उप प्रधानाचार्य डॉ .लालजी यादव का चयन प्रधानाचार्य पद पर जिला पंचायत इंटर कॉलेज मेजा प्रयागराज के लिए हुआ। डॉ. लालजी यादव ने अपनी उच्च शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से प्राप्त की है। वर्ष 2015 में उत्कृष्ट शिक्षण शैली के लिए राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत द्वारा इन्हें बेस्ट साइंस टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा विज्ञान लोकप्रिय करण के लिए इन्हें वर्ष 2019 में प्रयागराज जनपद का जिला विज्ञान क्लब समन्वयक नियुक्त किया गया। दूरदर्शन उत्तर प्रदेश पर प्रसारित किए गए उत्कृष्ट शैक्षिक वीडियो के लिए वर्ष 2020 में माध्यमिक शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव आराधना शुक्ला द्वारा इन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया। प्रोफेसर महेश चंद्र चट्टोपाध्याय, डॉ. संतोष शुक्ला, प्रोफेसर ज्ञान प्रकाश, जे.एन. यादव दावा के अध्यक्ष एडवोकेट आईपी रामबृज प्रधानाचार्य अजय कुमार तथा अन्य लोगों ने डॉ. लाल जी यादव को चयन के लिए बधाई दी है।

## असहाय दिव्यांग एवं वृद्धजनों को कंबल वितरण 18 नवंबर को

14 नवंबर प्रयागराज, ओम जागृति सेवा संस्थान प्रयागराज की एक आवश्यक बैठक मुट्ठीगंज कार्यालय में आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष नीरज केसरवानी ने करते हुए कहा कि 18 नवंबर को शाम 5रू00 बजे मुट्ठीगंज छोटे चौराहे के निकट गाजी गंज मार्ग पर असहाय दिव्यांग एवं वृद्ध जनों के लिए कंबल वितरण का कार्यक्रम 18 नवंबर को शाम 5:00 बजे आयोजित किया जाएगा बैठक का संचालन पारसनाथ केसरवानी ने किया बैठक में प्रमुख रूप से राजेश केसरवानी ,राजू जायसवाल ,रामजी गुप्ता, धर्मेंद्र केसरवानी, किशनचंद्र जायसवाल, जगदीश जग्गा, सुनील केसरवानी ,पप्पू कटरा, बजरंगी लाल ,सुनील कुमार, पप्पू लैया, सुभाष केसरवानी, पीयूष केसरवानी, ओम प्रकाश, ज्ञान केसरवानी, मन्नू जायसवाल, अजय अग्रहरि आदि रहे

## बाल दिवस के अवसर पर नोडल अधिकारी श्रीमती निशा झा की अध्यक्षता में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

माननीय जनपद न्यायधीशअध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इलाहाबाद श्री संतोष राय के निर्देशानुसार सोमवार को बाल दिवस के अवसर पर शिवपुरी कॉलोनी में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन नोडल अधिकारी श्रीमती निशा झा एडीजे की अध्यक्षता में किया गया। नोडल अधिकारी श्रीमती निशा झा द्वारा शिविर में उपस्थित बच्चों को बाल दिवस की महत्वता के बारे में बताया गया तथा उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इलाहाबाद डॉक्टर लकी के द्वारा बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए उन्हें शिक्षा के अधिकार व अन्य योजनाओं के बारे में बताया गया। अपर सिविल जज सीनियर डिविजन श्रीमान मानस वत्स द्वारा बच्चों को खेलकूद के महत्व को बताया गया। इस अवसर पर अधिकारीगणों द्वारा बच्चों को किताब, कॉपी व स्टेशनरी से संबंधित सामान व अन्य वस्तुएं वितरित की गई। शिविर में श्री नितिन श्रीवास्तव, श्री शिशिर कुमार, श्री किशन थापा कर्मचारी गण तथा अमलेश्वर पांडे, श्री आशुतोष कुमार, श्री पार्थ शुक्ला, श्री आदित्य राय, सुश्री दीप्ति द्विवेदी, सुश्री सौम्या सिंह पराविधिक स्वयं सेवक उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार इलाहाबाद डॉक्टर लकी द्वारा प्रदान की गई।

## महावीर इंटर कॉलेज राजरूपुर में छात्रा/छात्र बाल दिवस के शुभ अवसर पर दुकान लगाते हुए जेजे न्यूज संजय यादव

## सम्पादकीय

## हमको भूकंप नहीं हमारी हरकतें और मकान मारते हैं

भूकंप के झटकों ने उत्तराखण्ड से लेकर दिल्ली तक को दहला दिया है। लोगों को बड़े भूचालों का डर सताने लगा है, जबकि भूचाल कभी किसी को नहीं मारता है। हमको मारते वह भवन हैं जिसे हम अपने आश्रय के लिए या सुरक्षित रहने के लिए बनाते हैं। फिर भी जो मकान मारक साबित होते हैं हम उसके लिए विलाप करते हैं और सारा दोष भूकंप पर डाल देते हैं। अगर हम प्रकृति के साथ जीना सीख लें तो क्या भूचाल या क्या बाढ़? हमें कोई भी आपदा नहीं मार सकती। छोटे भूकंप अधिक खतरनाक साबित हुए भूकंप, बाढ़, हिमस्खलन, भूस्खलन या आकाशीय बिजली गिरने जैसी घटनाएं प्राकृतिक होती हैं और प्रकृति के नियमों के अनुसार होती रहती हैं। इन प्राकृतिक घटनाओं को हम अपनी लापरवाही और अज्ञान के कारण आपदा बनाते हैं। 30 सितंबर 1993 को महाराष्ट्र के लातूर क्षेत्र में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया, इसमें लगभग 10 हजार लोग मारे जाते हैं। 30 हजार से अधिक लोगों के घायल होने के साथ ही 1.4 लाख लोग बेघर हो जाते हैं। जबकि 28 मार्च 1999 को चमोली में लातूर से भी तेज 6.8 मैग्नीट्यूट का भूकंप आता है तो उसमें केवल 103 लोगों की जानें जाती हैं और 50 हजार मकान क्षति ग्रस्त होते हैं। 20 अक्तूबर 1991 के उत्तरकाशी के 6.6 परिमाण के भूकंप में 786 लोग मारे जाते हैं और 42 हजार मकान क्षतिग्रस्त होते हैं। इसी तरह जब 26 जनवरी 2001 को गुजरात के भुज में रिक्टर पैमान पर 7.7 परिमाण का भूकंप आता है तो उसमें कम से कम 20 हजार लोग मारे जाते हैं और 1.67 लाख लोग घायल होने के साथ ही 4 लाख लोग बेघर हो जाते हैं। 11 मार्च 2011 को जापान के टोहोकू क्षेत्र में रिक्टर पैमाने पर 9.00 अंक परिमाण का प्रलयकारी भूचाल आने के साथ ही विनाशकारी सुनामी भी आबादी क्षेत्र को ताबाह कर जाती है, फिर भी वहां केवल 15,891 लोग मारे जाते हैं। इस दुहरी विनाशलीला के साथ तीसरा संकट परमाणु संयंत्रों के क्षतिग्रस्त होने से विकीर्ण का भी था। अगर ऐसा तिहरा संकट भारत जैसे देश में आता तो करोड़ों लोग जान गंवा बैठते। 25 अप्रैल 2015 नेपाल में 7.8 परिमाण का भूकंप आता है जिसमें लगभग 9 हजार लोग मारे जाते हैं और 21 हजार से अधिक घायल हो जाते हैं। वहां सबसे अधिक तबाही काठमांडू में हुई, क्योंकि देश की राजधानी होने के नाते वहां आबादी ज्यादा घनी और इमारतें भी औसतन ज्यादा और विशलकाय हैं। जापान के लोग सीख गए भूकंपों के साथ जीना अगर आप जापान में भूकंपों का इतिहास टटोलें तो वहां बड़े से बड़े भूचाल भी मानवीय हौसले को डिगा नहीं पाए। जापान में 26 नवम्बर सन् 84 (जूलियन कैलेंडर) से लेकर अब तक रिक्टर पैमाने पर 7 अंक से लेकर 9 परिमाण तक के दर्जनों भूचाल आ चुके हैं। आपदा प्रबंधकों के अनुसार इस परिमाण के भूकंप काफी विनाशकारी होते हैं। खासकर रिक्टर पैमाने पर 8 या उससे बड़े परिमाण के भूकंपों को भयंकर और 9 तथा उससे अधिक के भूचालों को तो प्रलयंकारी माना ही जाता है, फिर भी जपान में जनहानि बहुत कम होती है। सन् 1952 से लेकर अब तक जापान में रिक्टर पैमाने पर 7 से लेकर 9 परिमाण तक के 31 बड़े भूचाल आ चुके हैं। इसके अलावा 4 या उससे कम परिमाण के भूकंप तो वहां लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुके हैं। इन भूकंपों में से टोहोकू के भूकंप और सुनामी के अलावा वहां कोई बड़ी मानवीय त्रासदी नहीं हुई। वहां 25 दिसंबर 2003 को होक्कैडो में 8.3 परिमाण का भयंकर भूचाल आया फिर भी उसमें मरने वालों की संख्या केवल एक थी। इतने बड़े परिमाणों वाले 7 भूकंप ऐसे थे जिनमें एक भी जान नहीं गई। जाहिर है कि जापान के लोग भूकंप ही नहीं बल्कि प्रकृति के कोपों के साथ जीना सीख गए हैं। वहां के लोगों ने प्रकृति को अपने हिसाब से ढालने का दुस्साहस करने के बजाय स्वयं को प्रकृति के अनुसार ढाल दिया है। भूकंप का सर्वाधिक खतरा घनी आबादी को भूकंप की संवेदनशीलता के अनुसार भारत को 5 जोनों में बांटा गया है। इनमें सर्वाधिक संवेदनशील जोन 'पांच' माना जाता है जिसमें सिंधु से लेकर ब्रह्मपुत्र का सम्पूर्ण भारतीय हिमालय क्षेत्र है। वैसे देखा जाए तो अफगानिस्तान से लेकर भूटान तक का संपूर्ण हिमालयी क्षेत्र भारतीय उप महाद्वीप के उत्तर में यूरेशियन प्लेट के टकराने से भूगर्वीय हलचलों के कारण संवेदनशील है। इनके अलावा रन आफ कछ भी इसी जोन में शामिल है। लेकिन इतिहास बताता है कि भूचालों से जितना नुकसान कम संवेदनशील 'जोन चार' में होता है, उतना जोन पांच में नहीं होता, क्योंकि जोन पांच वाले हिमालयी क्षेत्र में जनसंख्या का घनत्व बहुत कम है,

# ग्रह के सबसे असाधारण वैश्विक यात्री

जलचर पक्षियों को हम सभी ने अक्सर जलाशयों के किनारे देखा होगा और चूंकि ये अक्सर किनारो पर ही पाए जाते है इसलिए इन्हे शोरबर्ड्स या वेडर्स के नाम से जाना जाता है। शोरबर्ड या वेडर्स

काडरिफोर्म्स क्रम के छोटे से मध्यम आकार के पक्षी हैं जो अक्सर तटरेखा और आर्द्रभूमि से जुड़े होते हैं। शोरबर्ड पक्षियों के एक विविध समूह हैं, जिसमें सैंडपाइपर, प्लोवर, एवोकेट, ऑयस्टरकैचर और फालारोप्स जैसे शोरबर्ड्स शामिल हैं। अधिकांश शोरबर्ड पानी के पास पाए जाते हैं, लेकिन कई प्रजातियां किनारे से दूर निवास करना भी पसंद करते हैं। कई प्रजातियां लंबी दूरी की प्रवासी हैं, जो हर साल आर्कटिक टुंड्रा में प्रजनन के मैदान से दक्षिणी दक्षिण अमेरिका में गैर–प्रजनन मैदानों की यात्रा करती हैं।

दुनिया में शोरबर्ड की लगभग 200 से ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं और ये अक्सर रेतीले समुद्र तटों, गीली मिटटी, या चट्टानी तटों से लेकर मीठे पानी के आर्द्रभूमि, घास के मैदानों, जुताई वाले खेतों और बाढ़ वाली कृषि भूमि में पाए जाते हैं।

शोरबर्ड्स मुख्य रूप से मोलस्क, छोटे क्रस्टेशियंस और समुद्री कीड़ो को खा कर अपना गुजर बसर करते हैं। अधिकांश प्रजातियां मिट्टी या उजागर मिट्टी से निकाले गए छोटे अकशेरुकी जीवों को खाती हैं और इसलिए इनकी चोंच का आकर लम्बा होता है जिससे ये आसानी से मिटटी या पानी में दबे हुए कीड़ो को निकलने में सक्षम होते है। इधर कई नाविकों के पास चोंच के अंत में संवेदनशील तंत्रिका होते हैं जो उन्हें कीचड़ में छिपे शिकार की वस्तुओं का पता लगाने में सक्षम बनाते हैंद्य शहरी क्षेत्रों में कुछ वैडर आम हैं, जो अक्सर पार्क और गोल्फ कोर्स जैसे स्थानों पर पाए जाते हैं जिनमें झीलें या तालाब शामिल हैं जो इन्हे उपयुक्त आवास प्रदान करते हैं। इस समूह में लंबे पैरों वाले पक्षी जैसे सारस और बगुले शामिल हैं। अनोखे ट्रैवेलर्स

कई वैडर प्रजातियां प्रवासी हैं, जो कई हजारों किलोमीटर की यात्रा करती हैं। जैसे जैसे उनकी वर्तमान जलवायु कठोर और चुनौतीपूर्ण हो जाती है वे हजारों मील की यात्रा करते हुए, आगे की और बढ़ चलते हैं। वे उन जगहों पर चले जाते हैं जहां की जलवायु उनके लिए अधिक सौम्य और कम तनावपूर्ण होती है। उदाहरण के लिए, जून में आर्कटिक प्रजनन मैदान 24 घंटे सूरज की रोशनी प्रदान करते हैं। दिन के उजाले के दोगुने घंटे होने से शोरबर्ड्स को ऊर्जा को खिलाने और स्टोर करने के लिए बहुत अधिक समय मिलता है। इसीलिए शायद प्रवास से पहले कई पक्षी ज्यादा खाना खाते है ताकि उनके शरीर पर वासा की एक मोटी परत बन जाये जो प्रवास के दौरान उन्हें समय समय पर ऊर्जा प्रदान करने में सक्षम हो जिससे उनकी यात्रा निरंतर चलती रहे द्य

क्या बनाता है इन्हें आकर्षक?

उड़ने में सक्षम होना बहुत से लोगों का सपना होता है, और उड़ान में हजारों किलोमीटर की यात्रा करने में सक्षम होना सच में बहुत अद्भुत है। जब शोरबर्ड्स का एक झुंड अपनी यात्रा के अगले चरण में उड़ान भरता है, तो देखें कि वे कैसे ऊपर की ओर चक्कर लगाते हैं जिसमे कुछ एक विशाल तीर की तरह आगे बढ़ने से पहले आकाश में एक सुंदर ष्घीष् फॉर्मेशन भी बनाते है। शोरबर्ड की अन्य विशेष विशेषताओं में उनके चिकना डिजाइन, भोजन के लिए विशेष चोंच और विशेषज्ञ शिकार कौशल शामिल हैं।

प्रवासी पक्षियों के बीच शोरबर्ड निर्विवाद रूप से मैराथन चौंपियन हैं। शोरबर्ड की लगभग 20 प्रजातियों को 5,000 किलोमीटर, या 3,100 मील . से अधिक लंबी नॉनस्टॉप उड़ानें बनाते हुए दर्ज किया गया हैद्य इस समूह का सबसे छोटा सदस्य सैंडपाइपर है, जिसके छोटे वयस्क का वजन लगभग 15.5 ग्राम तक होता है और केवल 13 सेमी के होते है।

माना जाता है कि सबसे बड़ी प्रजाति सुदूर पूर्वी कर्लेव है, जिसका वजन लगभग 900 ग्राम है और इसका माप लगभग 65 सेमी हैय हालांकि समुद्र तट मोटा–घुटा हुआ, लगभग 1 किलो वजनी है। पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) और शोरबर्ड शोरबर्ड तटीय खाद्य जाले का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, क्योंकि वे अकशेरूकीय के प्रमुख उपभोक्ता हैं। विभिन्न कारकों के कारण लंबी अवधि में शोरबर्ड समृद्धि और बहुतायत में कमी आ सकती है, जैसे निवास स्थान के नुकसान का संयोजन, उच्च ज्वार पर पहुंच में कमी और बख्तरबंद समुद्र तटों पर शिकार की उपलब्धता में कमी। चूंकि समुद्री पक्षी आर्द्रभूमि पर निर्भर होते हैं, वे आर्द्रभूमि के स्वास्थ्य के अच्छे संकेतक होते हैं। एक संकेतक प्रजाति का स्वास्थ्य जीवविज्ञानियों को उस आवास का उपयोग करने या बनाने वाले अन्य प्राणियों के स्वास्थ्य के बारे में काफी कुछ बताता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी समुद्री पक्षी की जनसंख्या में कोई परिवर्तन होता है, तो संभवतः उन कीड़ों की जनसंख्या पर भी प्रभाव पड़ता है जिन पर वह भोजन के लिए निर्भर होते हैद्य शोरबर्ड शुष्क भूमि के निकटतम ज्वारीय क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भर हैं, जो अक्सर विकास के कारन विलुप्त से होते जा रहे है ।

कहीं देर न हो जाए

आर्द्रभूमि तेजी से गायब हो रही है क्योंकि ये खेती, आवास, औद्योगिक और तटीय विकास के लिए लगातार विकसित की जा रही है जिससे वेटलैंड्स और अन्य जलाशय मानो खतम से हो गए हैं। जैसे–जैसे भूमि पर आबादी के द्वारा अधिक मांग बढ़ती जा रही है वैसे वैसे वन्य जीवो जका गुजर बसर भी संकट में आता जा रहा है क्यूंकि शायद इनपर किसी का ध्यान ही नहीं है। कई क्षेत्र जो कभी समुद्री तटों के लिए निवास स्थान थे, अब अनुपयुक्त हैं। शोरबर्ड पूरे गोलार्ध में निवास स्थान पर विश्वास करते हैं, जिसका अर्थ है कि शोरबर्ड संरक्षण के लिए काफी प्रयासों की आवश्यकता है।

# पंडित जी को देहरादून से था खास लगाव

आधुनिक भारत के शिल्पी पंडित जवाहर लाल नेहरू का कद छोटा दिखाने के लिए कोई चाहे कितना भी गड़े हुए मुर्दे उखाड़े, मगर नेहरू का कद छोटा होने वाला नहीं है। कम से कम पहाड़वासियों और खास कर देहरादून वासियों के दिलों में नेहरू की यादें दफन होने वाली नहीं हैं, क्योंकि नेहरू का पहाड़ों से प्रेम जगजाहिर था। देहरादून तथा यहां की जेल तो नेहरू के लिए घर जैसे ही थे। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम चार दिन देहरादून में ही बिताए थे। अपनी आत्मकथा में उन्होंने इसका जिक्र भी किया है। उन्होंने सर्वाधिक दिन अल्मोड़ा जेल में बिताए थे। देहरादून में ही नेहरू ने अपने कालजयी ग्रन्थों के अंश लिखे। नेहरू ने इसी देहरादून से राजनीति के क्षेत्र में सबसे पहले बड़ी छलांग भी लगाई थी। नेहरू ही क्यों उनके पिता मोतीलाल नेहरू और मसूरी से जुड़े किस्से पुराकथाएं बनीं। उनकी बेटी और नाती और उनके बच्चों की स्कूलिंग भी इसी देहरादून में हुई।

देहरादून से लगाई राजनीति की छलांग

नेहरू जी ने राजनीति की पहली लम्बी छलांग देहरादून से ही लगाई थी। दरअसल सन् 1920 में जब देहरादून में कांग्रेस ने राजनीतिक सम्मेलन आयोजित किया तो उसकी अध्यक्षता जवाहर लाल नेहरू ने ही की थी। बिलायत से लौटने के बाद उनका यह पहला राजनीतिक कार्यक्रम था। इस सम्मेलन में लाला लाजपत राय और किचलू जैसे बड़े नेता शामिल हुए थे।

सन् 1922 में भी देहरादून में एक राजनीतिक सम्मेलन आयोजित हुआ और उसकी अध्यक्षता भी पंडित नेहरू ने ही की थी। उस सम्मेलन में सरदार बल्लभ भाई पटेल और चितरंजन दास जैसे बड़े नेताओं ने भाग लिया था। देहरादून और यहां की जेल नेहरू के लिये घर जैसे ही थे। एक बार जब अफगान प्रतिनिधि मण्डल देहरादून पहुंचा तो नेहरू को जिला छोड़ने का आदेश हुआ, क्योंकि जिस चार्लविले होटल में नेहरू ठहरे थे, उसी मेंअफगान प्रतिनिधि मण्डल को भी ठहराया गया था। देसी रियासतों में लोकतांत्रिक आन्दोलनों के लिए कांग्रेस द्वारा गठित ''आल इंडिया स्टेट्स पीपुल्स कान्फ्रेस'' के पहले अध्यक्ष नेहरू ही थे और उनके बाद पट्टाभि सीतारमैया अध्यक्ष बने थे। टिहरी सहित हिमाचल के सभी प्रजामण्डल इसी संगठन से सम्बद्ध थे।

उत्तराखण्डियों की सांस्कृतिक पहचान के हिमायती थे नेहरू

नेहरू की उत्तराखण्ड और खास कर देहरादून से कई यादें जुड़ी हुई हैं। सन् 1930 के दशक में उन्होंने श्रीनगर गढ़वाल में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन में कहा था कि उत्तराखण्ड की विशेष भौगोलिक परिस्थितियों के साथ ही अलग सांस्कृतिक पहचान है, इसलिए क्षेत्रवासियों को अपनी अलग पहचान बनाए रखाने का हक हैं। उत्तराखण्ड के बारे में इस तरह की टिप्पणी करने वाले वह पहले राष्ट्रीय नेता थे। बाद में 1952 में नेहरू के इस वाक्य की प्रासंगिकता तब सामने आए जब कामरेड पी.सी. जोशी की अध्यक्षता में भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी ने अलग उत्तराखण्ड राज्य की मांग कर डाली। नब्बे के दशक में उत्तराखण्ड आन्दोलन में नेहरू का यह सूक्ति वाक्य भी आन्दोलनकारियों के काम आया। हिमाचल को पंजाब से अलग राज्य बनाने की परमार की मुहिम को भी नेहरू का ही आशीर्वाद प्राप्त था।

देहरादून से लौटते ही हो गया था निधन

नेहरू उत्तराखण्ड से भावनात्मक तौर पर जुड़े रहे। जेल जीवन के अलावा भी उनका यहां निरन्तर आना जाना रहा है। उन्हें पहाड़ों की रानी मसूरी भी काफी पसन्द थी। वह अपने पिता मोतीलाल नेहरू और माता स्वरूप रानी के साथ सबसे पहले 1906 में मसूरी तब आये थे जब वह 16 साल के थे। उसके बाद वह अपने माता पिता के अलावा बहन विजय लक्ष्मी पंडित, बेटी इंदिरा गांधी और नातियों के साथ आते जाते रहे।

अपने जीवन के कुछ अन्तिम पल भई उन्होंने यहां बिताये थे। 27 मई 1964 को मृत्यु से एक दिन पहले नेहरू देहरादून से वापस दिल्ली लौटे थे। दरअसल वह कांग्रेस के भुवनेश्वर अधिवेशन में आमंत्रण पर नेहरू चकराता भी गए थे जहां उन्होंने प्रकृतिपुत्रों की जनजातीय संस्कृति का करीब से आनन्द उठाया।

अद्भुत लेखन क्षमता और विद्वता के मालिक

कहा जाता है कि महात्मा गांधी को सरदार पटेल से अधिक नेहरू इसलिए भी पसन्द थे क्योंकि धारा प्रवाह अंग्रेजी और हिन्दी बोलने के साथ ही उनमें लेखन

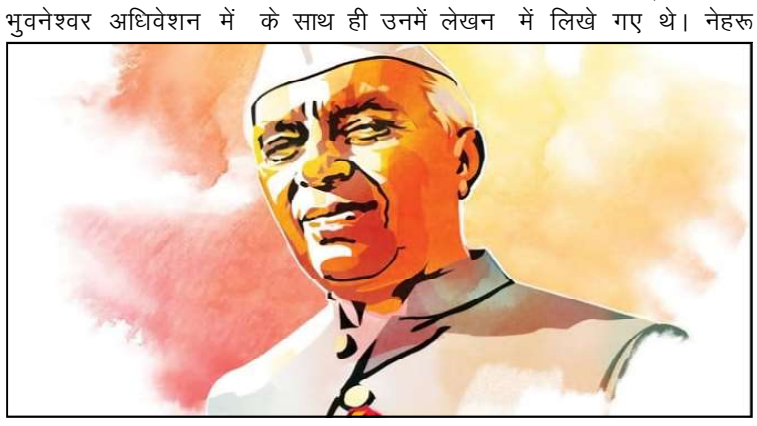

हल्का दौरा पड़ने के बाद स्वास्थ्य लाभ के लिए 23 मई 1964 को देहरादून पहुंच गये थे। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने मसूरी और सहस्रधारा की सैर भी की।

देहरादून का सर्किट हाउस जो आज राजभवन बन गया, नेहरू के आतिथ्य का गवाह है। नेहरू के हाथ से लिखा हुआ प्रशस्ति पत्र आज भी सर्किट हाउस की दीवार पर चिपका हुआ है। हालांकि उस याद पर भी न जाने कब पानी फेर दिया जाए। तत्कालीन विधायक गुलाबसिंह के

की अद्भुत क्षमता भी थी और इसके लिए वह बहुत अध्ययन करते थे। इसी वजह से वह भारत से बाहर भी सबसे लोकप्रिय भारतीय नेता थे।

नेहरू जी ने कई ग्रन्थ भी लिखे जिनमें डिस्कवरी ऑफ इंडिया, एन ऑटोबायोग्रफी ( टुवार्ड्स फ्रीडम), ए ग्लिम्पसेज ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री, लेटर फॉर नेशन, लेटर फ्रॉम अ फादर टु हिज डॉटर एवं द युनिटी ऑफ इंडिया जैसे कालजयी ग्रन्थ शामिल हैं। इनमें से एन ऑटोबाइग्राफी की शुरुआत उन्होंने देहरादून जेल से ही की थी। इस ग्रन्थ में उन्होंने पहाड़ के नैसर्गिक सौंदर्य और देहरादून का भी उल्लेख किया है। भारत के लिए नेहरू की जेल की कोठरी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि नेहरू को अपनी विख्यात पुस्तक "डिस्कवरी आफ इण्डिया" लिखने की यहीं सूझी थी और उस पुस्तक के अधिकांश हिस्से इसी कोठरी में लिखे गए थे। नेहरू को उनकी पुत्री इन्दिरा गांधी इसी वार्ड में मिलने आती थीं।नेहरू के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चरम पर नेहरू के बारे में आज जिस तरह दृष्प्रचार हो रहा उससे लगता है जैसे नेहरू ने स्वाधीनता संग्राम के दौरान अपने बाप–दादा के वैभव का लुत्फ उठाने के सिवा कुछ नहीं किया और जो कुछ किया भी वह देशहित में नहीं किया। सच है कि पैतृक वैभव की उनके पास कमी नहीं थी। इलाहाबाद का आनन्द भवन इसका गवाह है, जिसे बाद में कांग्रेस को दे दिया गया।

# नामांकन पत्र जमा करने का आज अंतिम दिन, उम्मीदवार करेंगे शक्ति-प्रदर्शन, जाम की आशंका

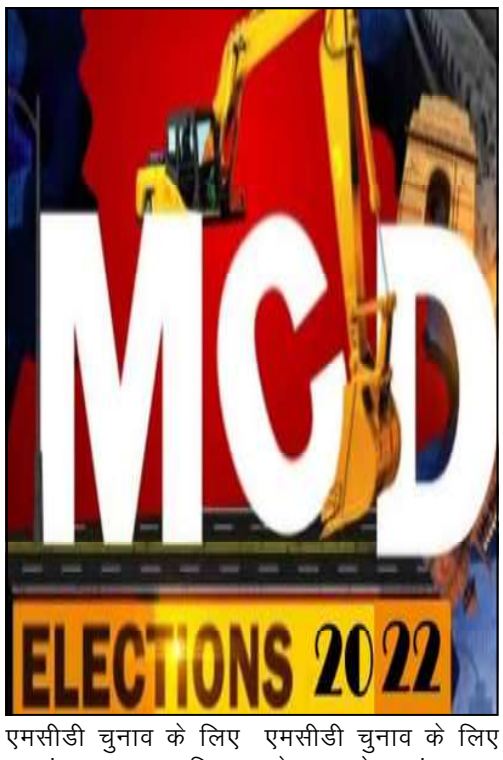


एमसीडी चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने का सोमवार अंतिम दिन है और अभी तक भाजपा, आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस के उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल नहीं किए है। दरअसल, शुक्रवार दोपहर तक किसी भी दल ने उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं की थी और शनिवार–रविवार को छुट्टी होने के कारण नामांकन पत्र दाखिल नहीं हुए।

एमसीडी चुनाव के लिए सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल करने का अंतिम दिन होने के कारण भाजपा, आप व कांग्रेस के अलावा एनसीपी, बसपा व अन्य उम्मीदवार भी बड़ी संख्या में दलबल के साथ नामांकन दाखिल करने 68 स्थानों पर बने रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालयों में पहुंचेंगे।

अधिकतर रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालय संबंधित वार्ड से 10 से 30 किलोमीटर दूर है। नामांकन पत्र जमा करने के लिए उम्मीदवारों को दिल्ली के एक से दूसरे कोने में जाना पड़ेगा। इस दौरान उम्मीदवार पूरी ताकत के साथ आएंगे। ऐसे में सोमवार को राजधानी के अधिकतर इलाकों में जाम लगने की पूरी आशंका है। ऐसे में यातायात पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ सकती है।

आप ने शुक्रवार देर रात उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी, दूसरी व अंतिम सूची शनिवार देर शाम जारी की गई। भाजपा ने पहली सूची शनिवार को देर रात जारी की और उसकी अंतिम सूची रविवार को देर शाम तक जारी नहीं हुई थी। कांग्रेस ने भी रविवार शाम तक एक भी उम्मीदवार का नाम घोषित नहीं किया। इस कारण भाजपा की अंतिम सूची और कांग्रेस की सभी उम्मीदवारों की सूची रविवार रात या फिर सोमवार की सुबह जारी होगी। लिहाजा सभी दलों के उम्मीदवार सोमवार को ही नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

शाम तीन बजे तक ही उम्मीदवारों को मिलेगा प्रवेश

रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालयों में उम्मीदवारों को नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए सोमवार को सुबह 10 बजे से शाम तीन बजे तक प्रवेश दिया जाएगा। उनके कार्यालय में तीन बजे के बाद किसी भी उम्मीदवार को अंदर नहीं आने दिया जाएगा। एक अनुमान के अनुसार 68 रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालयों में सोमवार को एक हजार से अधिक नामांकन पत्र दाखिल होंगे। उम्मीदवारों को सुबह 10 बजे से शाम तीन बजे तक नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए टोकन दिया जाएगा।अभी तक दाखिल हुए हैं 35 नामांकन पत्र

एमसीडी चुनाव के लिए शुक्रवार तक 35 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए है। पहले दो दिन एक–एक नामांकन पत्र दाखिल किया गया था। तीसरे दिन पांच और चौथे दिन शुक्रवार को 28 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए।

# प्रगति मैदान में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला आज से, जनता के लिए 19 नवंबर से शुरुआत

प्रगति मैदान में सोमवार से अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का आगाज हो रहा है। मेला 14 से 27 नवंबर तक चलेगा। इसे आम जनता के लिए 19 नवंबर से खोला जाएगा। व्यापार मेले में प्रत्येक दिन लगभग 40,000 दर्शकों के आने की संभावना है।

ऐसे में मथुरा रोड, भैरों मार्ग, रिंग रोड, शेरशाह रोड और पुराना किला रोड पर मेले के दिनों में ट्रैफिक जाम की उम्मीद है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने व्यापार मेले में नहीं होगा

प्रगति मैदान में टिकटों की बिक्री नहीं होगी। टिकट ऑनलाइन और चयनित मेट्रो स्टेशन (सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन को छोड़कर) पर मिलेंगे सार्वजनिक सुरक्षा के हित में मेला मैदानों में प्रवेश पहले बंद किया जा सकता है

सुचारू यातायात प्रबंधन के उपाय

मथुरा रोड और भैरों मार्ग पर किसी भी वाहन को कहीं भी रुकने या पार्क करने की अनुमति नहीं दी जाएगी

आगंतुकों को शेरशाह रोड, पुराना किला रोड, भगवान दास रोड व तिलक मार्ग पर पार्क करने की अनुमति होगी

उपरोक्त सड़कों पर पार्क किए गए वाहनों को हटा दिया जाएगा और अनुचित पार्किंग के लिए मुकदमा चलाया जाएगा। उठाए गए वाहनों को नेशनल स्टेडियम में पार्क किया जाएगा

मथुरा रोड से भगवानदास रोड और सुब्रमण्यम भारती मार्ग की ओर राइट टर्न की अनुमति नहीं होगी

ट्रेड फेयर में ऐसे जाएं–

प्रगति मैदान पहुंचने के लिए मेट्रो समेत अन्य सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का सलाह दी गई है। मेट्रो से आने वाले लोग प्रगति मैदान मेट्रो स्टेशन व मंडी हाउस उतर सकते हैं। दिल्ली या एनसीआर से यात्रा करने के लिए डीटीसी बसों का उपयोग करने वाले मथुरा रोड व भैरों मार्ग बस स्टॉप पर उतर सकते हैं।

जो लोग अपने वाहनों से प्रगति मैदान जाएंगे वह भैरों मंदिर पार्किंग, भैरों रोड, दिल्ली चिडियाघर,भगवान दास रोड (केवल शनिवार और रविवार को) पर पार्क कर सकते हैं।

निजी वाहनों से आने वाले लोग कार–पूलिंग पसंद कर सकते हैं। गेट नंबर 1 प्रगति मैदान तक भैरों मंदिर पार्किंग तक शटल सेवा भी उपलब्ध होगी

पैदल यात्री फुट ओवर ब्रिज–

मथुरा रोड पर भारी पैदल यात्री आवाजाही होगी। क्योंकि भारी ट्रैफिक के भी चलने की उम्मीद है। ऐसे में पुलिस ने लोगों को फुट ओवर ब्रिज का इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

इन मार्गों से बचें–

भैरों मार्ग,पुराना किला रोड, शेरशाह रोड, मथुरा रोड डब्ल्यू–पॉइंट से मथुरा रोड, सुब्रमण्यम भारती मार्ग क्रॉसिंग।

# दो दिन तक बेहद खराब श्रेणी में रहेगी दिल्ली की हवा, NCR में गुरुग्राम की वायु सबसे जहरीली

पराली के धुएं और स्थानीय प्रदूषण की वजह से दिल्ली एनसीआर में सांसों पर संकट बरकरार है। बीते 24 घंटे में दिल्ली की हवा बेहद खराब तो एनसीआर के शहरों की खराब श्रेणी में दर्ज हुई है। वायु मानक एजेंसियों के मुताबिक, स्थानीय मौसमी परिस्थितियों की वजह से प्रदूषण का स्तर अधिक नहीं बढ़ रहा है। अगले दो दिन तक हवा की सेहत बेहद खराब श्रेणी में बनी रहेगी।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीपी) के मुताबिक, रविवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 303 दर्ज किया गया। वहीं, एनसीआर में सबसे अधिक खराब हवा 282 एक्यूआई के साथ गुरुग्राम की रही। इसके अलावा गाजियाबाद और नोएडा की हवा खराब श्रेणी के निचले स्तर पर रही।

केंद्र की वायु मानक संस्था सफर इंडिया के मुताबिक, बीते 24 घंटे में पराली जलाने से दिल्ली–एनसीआर के प्रदूषण में इसकी हिस्सेदारी 24 फीसदी रही है। वहीं, पीएम 2.5 से बड़े कणों की पीएम 10 में 57 फीसदी हिस्सेदारी रही। पीएम 10 का स्तर 220 व पीएम 2.5 का स्तर 122 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर रिकॉर्ड किया गया। सामान्य तौर पर पीएम 2.5 का स्तर 60 व पीएम 10 का स्तर 100 माइक्रोमीटर से कम होने पर सुरक्षित श्रेणी में माना जाता है।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के मुताबिक, पराली जलने की सबसे अधिक घटनाएं पंजाब में दर्ज हो रही हैं। बीते 24 घंटे में पंजाब में 2175 जगहों पर पराली जलने की घटनाएं दर्ज हुई हैं। वहीं, हरियाणा में 132, उत्तर प्रदेश में 102, मध्यप्रदेश में 773 और राजस्थान में 63 जगहों पर पराली जलने की घटनाएं रिकॉर्ड की गई हैं। दिल्ली में एक भी स्थान पर पराली नहीं जली है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि एक तरफ पराली जल रही है और दूसरी तरफ हवा भी उत्तर–पश्चिम की दिशा से आ रही है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर बनी हुई अनुकूल मौसमी परिस्थितियों की वजह से दिल्ली–एनसीआर की हवा अधिक नहीं बिगड़ रही है।

वायु मानक एजेंसियों के मुताबिक, मौसम परिस्थितियों में खास बदलाव नहीं होने की वजह से अगले दो दिनों तक हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में बनी रहेगी। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक, बीते 24 घंटे में मिक्सिंग हाइट का स्तर 1700 मीटर व वेंटिलेशन इंडेक्स 12 हजार वर्ग मीटर प्रति सेकेंड दर्ज किया गया। वहीं, अगले 24 घंटे में मिक्सिंग हाइट एक हजार मीटर व वेंटिलेशन इंडेक्स 1500 वर्ग मीटर प्रति सेकेंड तक दर्ज किया जा सकता है। मंगलवार तक मिक्सिंग हाइट 1750 मीटर व वेंटिलेशन इंडेक्स छह हजार वर्ग मीटर प्रति सेकेंड तक दर्ज किया जा सकता है। वहीं, सोमवार को हवा की दिशा बदलती रहेगी और मंगलवार को यह उत्तर–पश्चिम दिशा की ओर से चलेगी। हवा की रफ्तार 18 से 24 किलोमीटर तक दर्ज की जा सकती है।

# आफताब ने श्रद्धा के किए थे 35 टुकड़े नया फ्रीजर खरीदा और रोजाना रात दो बजे एक हिस्सा लगाता था ठिकाने

देश की राजधानी दिल्ली के महरौली थाने की पुलिस ने करीब छह महीने पहले हुई हत्या के मामले को सुलझा दिया है। पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है जिसका नाम आफताब है। जानकारी के मुताबिक, आफताब और श्रद्धा नाम की युवती की दोस्ती मुंबई में एक कॉल सेंटर में काम के दौरान हुई थी। दोस्ती धीरे–धीरे प्यार में तब्दील हो गई। परिवार का विरोध करने पर दोनों भागकर दिल्ली आ गए। श्रद्धा के परिवार वाले सोशल मीडिया के जरिए उसकी जानकारी लेते रहते थे। लेकिन जब सोशल मीडिया पर अपडेट आना बंद हो गया, तब लड़की के पिता दिल्ली में पहुंचे।

बेटी के नहीं मिलने पर दिल्ली पुलिस को शिकायत दी। श्रद्धा के पिता ने आरोप लगाया कि उसकी बेटी मुंबई के कॉल सेंटर में काम करती थी। यहां उसकी मुलाकात आफताब नाम के एक शख्स से हुई और दोनों की दोस्ती काफी नजदीकी में तब्दील हो गई।

दोनों एक दूसरे को पसंद करने लगे लेकिन परिवार वाले इस बात से खुश नहीं थे जिसके चलते उन्होंने इसका विरोध किया। इसी विरोध के चलते उनकी बेटी और आफताब मुंबई छोड़कर दिल्ली आ गए और यहां पर छतरपुर इलाके में रहने लगे।

टेक्निकल सर्विलांस की मदद से दिल्ली पुलिस आफताब की तलाश में जुट गई। जिसके बाद एक गुप्त सूचना के आधार पर आफताब को धर दबोचा। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि श्रद्धा उसपर लगातार शादी का दबाव बना रही थी, जिसको लेकर उनके बीच में अक्सर झगड़ा होना शुरू हो गया।

उसने मई में बेरहमी से उसकी हत्या कर डाली और शव के टुकड़े कर अलग–अलग जगह पर जंगल में फेंक दिए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आफताब ने श्रद्धा की गला घोंटकर हत्या की और आरी से 35 टुकड़े करके, अपने घर में रखे। इसके लिए आफताब एक नया बड़ा फ्रिज खरीदकर लाया। 18 दिन तक वह रात को दो बजे शरीर के टुकड़े को एक–एक कर प्लास्टिक बैग में लेकर जाता था और फेंक कर आ जाता था।वहीं, मामले में दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने भी मामले में ट्वीट किया है।

# भाजपा ने जारी की 18 उम्मीदवारों की दूसरी सूची, पहली लिस्ट के बाद खेमे में असंतोष और नाराजगी

दिल्ली निगम चुनाव के लिए भाजपा ने 18 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। लेकिन पहली सूची जारी होने के बाद से ही दिल्ली भाजपा की कलह सतह पर आ गई है। प्रत्याशियों की पहली सूची जारी होने के बाद रविवार को विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। भाजपा के कई मंडल में नाराजगी, इस्तीफा दिया टिकट की घोषणा के बाद शनिवार रात से लेकर रविवार दिन भर पार्टी के प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों को असंतुष्ट कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। करीब आधा दर्जन मंडलों में असंतुष्ट पदाधिकारियों ने इस्तीफे की भी पेशकश की। भजनपुरा मंडल के अध्यक्ष राज सिंह रज्जू ने मंडल के अन्य पच्चीस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ इस्तीफा दिया। उत्तर पूर्वी दिल्ली के दो अन्य मंडलों के कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताते हुए इस्तीफा देने की घोषणा की।

# फुटेज से बेटे को पहचाना और सुनाई अपहरण की झूठी कहानी

नमस्ते इंडिया दूध के डीलर कुलदीप मिश्रा को गोली मारकर लूटकांड का खुलासा नाटकीय ढंग से हुआ। वारदात 13 अक्तूबर की है। फुटेज लेकर पूछताछ करते हुए पुलिस आरोपी अमर सिंह के घर पहुंच गई, जहां उसकी मां ने पहचान तो लिया, लेकिन वारदात में शामिल होने की बात पर अपहरण की झूठी कहानी सुनाने लगी। मामला भांपकर पुलिस ने कड़ी से कड़ी जोड़ी और रविवार को अमर व उसके साथी दीपक सिंह को मौदा मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। साथ ही लूटी रकम में से दस हजार नकद, तमंचा, बाइक व अन्य सामान बरामद किया।जेसीपी कानून व व्यवस्था पीयूष मोर्डिया के मुताबिक, दोनों आरोपी कांशीराम कॉलोनी में रहते हैं। पारा के आदर्श विहार में वारदात हुई थी। इसके खुलासे के लिए पुलिस की टीम ने ढाई सौ सीसीटीवी कैमरे खंगाले और इलाके के 80 से अधिक लोगों से पूछताछ की। पूछताछ व फुटेज की तस्दीक के दौरान पुलिस आरोपी अमर के घर पहुंच गई, जहां महिला गुलशन ने फोटो देखते ही बोली कि यह मेरा बेटा है। वारदात में शामिल होने की बात सुनते ही दीपक पर बेटे के अपहरण का आरोप लगाया। इसके बाद चीख–चीखकर रोने लगी। पुलिस दूसरे दिन जब आरोपी के घर पहुंची तो गुलशन नहीं थी। शक गहराने पर पुलिस ने छानबीन की और दोनों आरोपियों को रविवार को मौदा मोड़ से दबोच लिया। दुकान पर बैठकर करवाई रेकीएसीपी अनिद्य विक्रम सिंह के मुताबिक, दीपक के पिता की सब्जी व अमर की मां की परचून की दुकान है। दोनों आरोपी अक्सर एक–दूसरे की दुकान पर मिलते थे। दीपक एक दुकान पर दूध के रुपये का तगादा करने जाता था। यह बात अमर व दीपक ने दोस्त हारुन को बताई। हारुन ने रंजीत के साथ मिलकर रेकी की और दीपक को बताया कि दो से तीन लाख की रोजाना की वसूली है। हारुन ने दीपक से कहा कि अमर के साथ मिलकर वारदात की जाए। उसने ही बाइक व तमंचा दिया था। लूट के बाद बैग व बाइक देने पहुंचे अमर व दीपक से हारुन ने आधी रकम व बाइक ले ली। फिर वापस भेज दिया। सामने आई पुलिस की लापरवाहीलूटकांड में पारा पुलिस की लापरवाही भी सामने आई है। गोमतीनगर में कारोबारी के घर डकैती से पहले आठ नवंबर को सात डकैत गिरफ्तार किए गए थे। इसमें अमर व दीपक का साथी हारुन व रंजीत यादव भी था। पारा की टीम ने गोमतीनगर पुलिस से संपर्क कर आरोपियों से पूछताछ की होती तो उसी दिन वारदात का पर्दाफाश हो गया होता। हालांकि, इस संबंध में एसीपी काकोरी की माने तो दीपक व अमर से पूछताछ के बाद इसका खुलासा हुआ। अब पुलिस आरोपियों को रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में अर्जी डालेगी।नमस्ते इंडिया दूध के डीलर कुलदीप मिश्रा को गोली मारकर लूटकांड का खुलासा नाटकीय ढंग से हुआ। वारदात 13 अक्तूबर की है। फुटेज लेकर पूछताछ करते हुए पुलिस आरोपी अमर सिंह के घर पहुंच गई, जहां उसकी मां ने पहचान तो लिया, लेकिन वारदात में शामिल होने की बात पर अपहरण की झूठी कहानी सुनाने लगी। मामला भांपकर पुलिस ने कड़ी से कड़ी जोड़ी और रविवार को अमर व उसके साथी दीपक सिंह को मौदा मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। साथ ही लूटी रकम में से दस हजार नकद, तमंचा, बाइक व अन्य सामान बरामद किया।जेसीपी कानून व व्यवस्था पीयूष मोर्डिया के मुताबिक, दोनों आरोपी कांशीराम कॉलोनी में रहते हैं। पारा के आदर्श विहार में वारदात हुई थी। इसके खुलासे के लिए पुलिस की टीम ने ढाई सौ सीसीटीवी कैमरे खंगाले और इलाके के 80 से अधिक लोगों से पूछताछ की। पूछताछ व फुटेज की तस्दीक के दौरान पुलिस आरोपी अमर के घर पहुंच गई, जहां महिला गुलशन ने फोटो देखते ही बोली कि यह मेरा बेटा है। वारदात में शामिल होने की बात सुनते ही दीपक पर बेटे के अपहरण का आरोप लगाया। इसके बाद चीख–चीखकर रोने लगी।नमस्ते इंडिया दूध के डीलर कुलदीप मिश्रा को गोली मारकर लूटकांड का खुलासा नाटकीय ढंग से हुआ। वारदात 13 अक्तूबर की है। फुटेज लेकर पूछताछ करते हुए पुलिस आरोपी अमर सिंह के घर पहुंच गई, जहां उसकी मां ने पहचान तो लिया, लेकिन वारदात में शामिल होने की बात पर अपहरण की झूठी कहानी सुनाने लगी। मामला भांपकर पुलिस ने कड़ी से कड़ी जोड़ी और रविवार को अमर व


## आवश्यकता है

झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवमं
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले

के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर,
विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो
चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीएनबी एटीएम के पास


# डेंगू के मरीजों से बड़े अस्पतालों में भीड़ छोटे खाली पड़े नहीं कर पा रहे प्रबंधन

लखनऊ शहर में डेंगू और बुखार के मरीजों की वजह से बड़े सरकारी अस्पतालों में भीड़ है। उधर, कई अस्पताल ऐसे भी हैं जो खाली पड़े हैं। स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू के लिए कंट्रोल रूम तो बना रखा है, लेकिन मरीजों का प्रबंधन न होने से सिविल, बलरामपुर और लोकबंधु जैसे अस्पतालों में मारामारी है।उधर, रानी लक्ष्मीबाई और बीआरडी महानगर जैसे अस्पतालों में 90 फीसदी बेड खाली पड़े हैं। लोगों को इन अस्पतालों में बेड खाली होने की जानकारी नहीं है और स्वास्थ्य विभाग भी मरीजों को यहां पहुंचाने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। जबकि कम गंभीर मरीजों को इन अस्पतालों में शिफ्ट कर बड़े अस्पतालों का लोड कम किया जा सकता है। इसके साथ जरूरी सर्जरी व अन्य मरीजों का इलाज भी बेहतर तरीके से किया जा सकता है।ये भी पढ़ें – मैनपुरी उपचुनावरू प्रोफेसर रामगोपाल यादव बोले– शिवपाल सिंह हमारे साथ, डिंपल दर्ज करेंगी बड़ी जीतये भी पढ़ें – सपा प्रवक्ता अनुराग भदौरिया की तलाश में सात स्थानों पर दबिश, सीएम योगी पर की थी टिप्पणीलखनऊ में कोरोना संक्रमण के बाद एक बार फिर से मरीजों की संख्या काफी ज्यादा बढ़ी हुई है। मरीजों का दबाव सिर्फ एक ही अस्पताल पर न पड़े इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने जिला प्रशासन के निर्देश पर कोरोना संक्रमण के दौरान ऑनलाइन पोर्टल बनाया था। इसमें हर अस्पताल में उपलब्ध बेड मरीज देख सकता था।विभाग ने इन अस्पतालों को उनकी क्षमता के हिसाब से अलग–अलग लेवल में बांट रखा था। इसी वजह से कोविड प्रबंधन संभव हो पाया था। मौजूदा समय में डेंगू और बुखार की वजह से हालात बिगड़े हुए हैं, लेकिन न तो पोर्टल नजर आ रहा है और न ही मरीज भर्ती करने के लिए केंद्रीकृत व्यवस्था है। इससे किसी अस्पताल में मारामारी है तो कोई खाली पड़ा है। इन अस्पतालों पर दबावबलरामपुर 750 बेड, 645 मरीज भर्ती बलरामपुर 756 बेड का अस्पताल है। यहां बने डेंगू वार्ड में 18 मरीज भर्ती हैं। पूरे अस्पताल में 645 मरीज भर्ती हैं। यहां सिर्फ वही बेड खाली हैं जो दूसरे विभागों से संबंधित हैं। मरीजों का लोड अधिक होने से इमरजेंसी ओपीडी में बेड बढ़ाने पड़े हैं। सीएमएस डॉ. जीपी गुप्ता के मुताबिक, अस्पताल में करीब एक माह से मरीजों का दबाव है।सिविल रू 400 बेड, 270 मरीज भर्तीसिविल अस्पताल में बीते माह मरीजों का लोड बढ़ने पर रूटीन सर्जरी रोक दी गई थी। अस्पताल में करीब 400 बेड हैं। यहां डेंगू के चार मरीज भर्ती हैं। पूरे अस्पताल में 270 मरीज भर्ती हैं। सीएमएस डॉ. आरपी सिंह ने बताया कि पहले से मरीजों का लोड कुछ कम हुआ है।लोकबंधु रू 300 बेड, 220 मरीज भर्तीलोकबंधु 300 बेड का अस्पताल है। यहां वर्तमान में 200 मरीज भर्ती है। यहां भी कई दिनों से मरीजों का दबाव है।इन अस्पतालों में ज्यादातर बेड खाली हैंआरएलबी रू 110 बेड, 10 मरीज भर्तीरानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय की 110 बेड की क्षमता है। डेंगू के लिए यहां 25 बेड आरक्षित हैं, लेकिन एक मरीज ही भर्ती है। सीएमएस डॉ. संगीता टंडन ने बताया कि अस्पताल में कुल 10 मरीज भती हैं। ठाकुरगंज अस्पताल रू 240 बेड, 64 मरीज भर्ती ठाकुरगंज संयुक्त चिकित्सालय की 240 बेड की क्षमता है, लेकिन यहां 165 बेड पर ही भर्ती हो रही है। अभी डेंगू के नौ मरीज भर्ती हैं। सीएमएस डॉ. आनंद बोध के मुताबिक पूरे अस्पताल में कुल 64 मरीज भर्ती हैं। यहां अभी काफी बेड खाली हैं।बीआरडी रू 100 बेड, 25 मरीज भर्तीबीआरडी महानगर 100 बेड का अस्पताल है। 70 बेडों पर भर्ती की जा रही है। अस्पताल में छह बेड पर डेंगू के मरीजों सहित कुल 25 मरीज भर्ती है।रामसागर रू 100 बेड, 56 मरीज भर्तीबीकेटी स्थित रामसागर संयुक्त चिकित्सालय में 100 बेड हैं। यहां डेंगू वार्ड में छह और पूरे अस्पताल में 56 मरीज हैं। यहां पर इलाज कराने के बजाय मरीज बलरामपुर व सिविल आ रहे हैं। जरूरत पड़ी तो करेंगे शिफ्ट सीएमओ डॉ. मनोज अग्रवाल का कहना है कि यह मरीज का अधिकार है कि वह किस अस्पताल में इलाज कराना चाहता है। इसके लिए मरीज को बाध्य नहीं कर सकते हैं। मरीज बड़े अस्पतालों को पहले तरजीह देते हैं। यही वजह है कि वहां पर मरीजों की भीड़ अधिक है। यदि बड़े अस्पताल पर दबाव ज्यादा बढ़ेगा तो उनको अन्य अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा। बलरामपुर अस्पताल के सीएमएस डॉ. जीपी गुप्ता का कहना है कि बड़े अस्पतालों में बेहतर सुविधाएं व संसाधन मौजूद हैं। मरीजों के गंभीर होने पर आईसीयू की भी सुविधा है। यही वजह है कि मरीज छोटे अस्पतालों के बजाय बड़े अस्पताल अधिक आ रहे हैं।सिविल अस्पताल के सीएमएस डॉ. आरपी सिंह का कहना है कि वीआईपी अस्पतालों में इसकी गिनती होती है। यहां पर कई विधा के कुशल विशेषज्ञ तैनात हैं। यही वजह है बेहतर इलाज के लिए मरीज यहां पर ही रुख करते हैं। इससे मरीजों का लोड बढ़ता है।लखनऊ शहर में डेंगू और बुखार के मरीजों की वजह से बड़े सरकारी अस्पतालों में भीड़ है। उधर, कई अस्पताल ऐसे भी हैं जो खाली पड़े हैं। स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू के लिए कंट्रोल रूम तो बना रखा है, लेकिन मरीजों का प्रबंधन न होने से सिविल, बलरामपुर और लोकबंधु जैसे अस्पतालों में मारामारी है।उधर, रानी लक्ष्मीबाई और बीआरडी महानगर जैसे अस्पतालों में 90 फीसदी बेड खाली पड़े हैं। लोगों को इन अस्पतालों में बेड खाली होने की जानकारी नहीं है और स्वास्थ्य विभाग भी मरीजों को यहां पहुंचाने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। जबकि कम गंभीर मरीजों को इन अस्पतालों में शिफ्ट कर बड़े अस्पतालों का लोड कम किया जा सकता है। इसके साथ जरूरी सर्जरी व अन्य मरीजों का इलाज भी बेहतर तरीके से किया जा सकता है।ये भी पढ़ें – मैनपुरी उपचुनावरू प्रोफेसर रामगोपाल यादव बोले– शिवपाल सिंह हमारे साथ, डिंपल दर्ज करेंगी बड़ी जीतये भी पढ़ें – सपा प्रवक्ता अनुराग भदौरिया की तलाश में सात स्थानों पर दबिश, सीएम योगी पर की थी टिप्पणीलखनऊ में कोरोना संक्रमण के बाद एक बार फिर से मरीजों की संख्या काफी ज्यादा बढ़ी हुई है। मरीजों का दबाव सिर्फ एक ही अस्पताल पर न पड़े इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने जिला प्रशासन के निर्देश पर कोरोना संक्रमण के दौरान ऑनलाइन पोर्टल बनाया था। इसमें हर अस्पताल में उपलब्ध बेड मरीज देख सकता था।विभाग ने इन अस्पतालों को उनकी क्षमता के हिसाब से अलग–अलग लेवल में बांट रखा था। इसी वजह से कोविड प्रबंधन संभव हो पाया था। मौजूदा समय में डेंगू और बुखार की वजह से हालात बिगड़े हुए हैं, लेकिन न तो पोर्टल नजर आ रहा है और न ही मरीज भर्ती करने के लिए केंद्रीकृत व्यवस्था है। इससे किसी अस्पताल में मारामारी है तो कोई खाली पड़ा है। इन अस्पतालों पर दबावबलरामपुर 750 बेड, 645 मरीज भर्ती बलरामपुर 756 बेड का अस्पताल है। यहां बने डेंगू वार्ड में 18 मरीज भर्ती हैं। पूरे अस्पताल में 645 मरीज भर्ती हैं। यहां सिर्फ वही बेड खाली हैं जो दूसरे विभागों से संबंधित हैं। मरीजों का लोड अधिक होने से इमरजेंसी ओपीडी में बेड बढ़ाने पड़े हैं। सीएमएस डॉ. जीपी गुप्ता के मुताबिक, अस्पताल में करीब एक माह से मरीजों का दबाव है।सिविल रू 400 बेड, 270 मरीज भर्तीसिविल अस्पताल में बीते माह मरीजों का लोड बढ़ने पर रूटीन सर्जरी रोक दी गई थी। अस्पताल में करीब 400 बेड हैं। यहां डेंगू के चार मरीज भर्ती हैं। पूरे अस्पताल में 270 मरीज भर्ती हैं। सीएमएस डॉ. आरपी सिंह ने बताया कि पहले से मरीजों का लोड कुछ कम हुआ है।लोकबंधु रू 300 बेड, 220 मरीज भर्तीलोकबंधु 300 बेड का अस्पताल है। यहां वर्तमान में 200 मरीज भर्ती है। यहां भी कई दिनों से मरीजों का दबाव है।इन अस्पतालों में ज्यादातर बेड खाली हैंआरएलबी रू 110 बेड, 10 मरीज भर्तीरानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय की 110 बेड की क्षमता है। डेंगू के लिए यहां 25 बेड आरक्षित हैं, लेकिन एक मरीज ही भर्ती है। सीएमएस डॉ. संगीता टंडन ने बताया कि अस्पताल में कुल 10 मरीज भती हैं। ठाकुरगंज अस्पताल रू 240 बेड, 64 मरीज भर्ती ठाकुरगंज संयुक्त चिकित्सालय की 240 बेड की क्षमता है, लेकिन यहां 165 बेड पर ही भर्ती हो रही है। अभी डेंगू के नौ मरीज भर्ती हैं। सीएमएस डॉ. आनंद बोध के मुताबिक पूरे अस्पताल में कुल 64 मरीज भर्ती हैं। यहां अभी काफी बेड खाली हैं।बीआरडी रू 100 बेड, 25 मरीज भर्तीबीआरडी महानगर 100 बेड का अस्पताल है। 70 बेडों पर भर्ती की जा रही है। अस्पताल में छह बेड पर डेंगू के मरीजों सहित कुल 25 मरीज भर्ती है।रामसागर रू 100 बेड, 56 मरीज भर्तीबीकेटी स्थित रामसागर संयुक्त चिकित्सालय में 100 बेड हैं। यहां डेंगू वार्ड में छह और पूरे अस्पताल में 56 मरीज हैं। यहां पर इलाज कराने के बजाय मरीज बलरामपुर व सिविल आ रहे हैं। जरूरत पड़ी तो करेंगे शिफ्ट सीएमओ डॉ. मनोज अग्रवाल का कहना है कि यह मरीज का अधिकार है कि वह किस अस्पताल में इलाज कराना चाहता है। इसके लिए मरीज को बाध्य नहीं कर सकते हैं। मरीज बड़े अस्पतालों को पहले तरजीह देते हैं। यही वजह है कि वहां पर मरीजों की भीड़ अधिक है। यदि बड़े अस्पताल पर दबाव ज्यादा बढ़ेगा तो उनको अन्य अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा। बलरामपुर अस्पताल के सीएमएस डॉ. जीपी गुप्ता का कहना है कि बड़े अस्पतालों में बेहतर सुविधाएं व संसाधन मौजूद हैं। मरीजों के गंभीर होने पर आईसीयू की भी सुविधा है। यही वजह है कि मरीज छोटे अस्पतालों के बजाय बड़े अस्पताल अधिक आ रहे हैं।सिविल अस्पताल के सीएमएस डॉ. आरपी सिंह का कहना है कि वीआईपी अस्पतालों में इसकी गिनती होती है। यहां पर कई विधा के कुशल विशेषज्ञ तैनात हैं। यही वजह है बेहतर इलाज के लिए मरीज यहां पर ही रुख करते हैं। इससे मरीजों का लोड बढ़ता है।लखनऊ शहर में डेंगू और बुखार के मरीजों की वजह से बड़े सरकारी अस्पतालों में भीड़ है। उधर, कई अस्पताल ऐसे भी हैं जो खाली पड़े हैं। स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू के लिए कंट्रोल रूम तो बना रखा है, लेकिन मरीजों का प्रबंधन न होने से सिविल, बलरामपुर और लोकबंधु जैसे अस्पतालों में मारामारी है।उधर, रानी लक्ष्मीबाई और बीआरडी महानगर जैसे अस्पतालों में 90 फीसदी बेड खाली पड़े हैं। लोगों को इन अस्पतालों में बेड खाली होने की जानकारी नहीं है और स्वास्थ्य विभाग भी मरीजों को यहां पहुंचाने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। जबकि कम गंभीर मरीजों को इन अस्पतालों में शिफ्ट कर बड़े अस्पतालों का लोड कम किया जा सकता है। इसके साथ जरूरी सर्जरी व अन्य मरीजों का इलाज भी बेहतर तरीके से किया जा सकता है।ये भी पढ़ें – मैनपुरी उपचुनावरू प्रोफेसर रामगोपाल यादव बोले– शिवपाल सिंह हमारे साथ, डिंपल दर्ज करेंगी बड़ी जीतये भी पढ़ें – सपा प्रवक्ता अनुराग भदौरिया की तलाश में सात स्थानों पर दबिश, सीएम योगी पर की थी टिप्पणीलखनऊ में कोरोना संक्रमण के बाद एक बार फिर से मरीजों की संख्या काफी ज्यादा बढ़ी हुई है। मरीजों का दबाव सिर्फ एक ही अस्पताल पर न पड़े इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने जिला प्रशासन के निर्देश पर कोरोना संक्रमण के दौरान ऑनलाइन पोर्टल बनाया था। इसमें हर अस्पताल में उपलब्ध बेड मरीज देख सकता था।विभाग ने इन अस्पतालों को उनकी क्षमता के हिसाब से अलग–अलग लेवल में बांट रखा था। इसी वजह से कोविड प्रबंधन संभव हो पाया था। मौजूदा समय में डेंगू और बुखार की वजह से हालात बिगड़े हुए हैं, लेकिन न तो पोर्टल नजर आ रहा है और न ही मरीज भर्ती करने के लिए केंद्रीकृत व्यवस्था है। इससे किसी अस्पताल में मारामारी है तो कोई खाली पड़ा है। इन अस्पतालों पर दबावबलरामपुर 750 बेड, 645 मरीज भर्ती बलरामपुर 756 बेड का अस्पताल है। यहां बने डेंगू वार्ड में 18 मरीज भर्ती हैं। पूरे अस्पताल में 645 मरीज भर्ती हैं। यहां सिर्फ वही बेड खाली हैं जो दूसरे विभागों से संबंधित हैं। मरीजों का लोड अधिक होने से इमरजेंसी ओपीडी में बेड बढ़ाने पड़े हैं। सीएमएस डॉ. जीपी गुप्ता के मुताबिक, अस्पताल में करीब एक माह से मरीजों का दबाव है।सिविल रू 400 बेड, 270 मरीज भर्तीसिविल अस्पताल में बीते माह मरीजों का लोड बढ़ने पर रूटीन सर्जरी रोक दी गई थी। अस्पताल में करीब 400 बेड हैं। यहां डेंगू के चार मरीज भर्ती हैं। पूरे अस्पताल में 270 मरीज भर्ती हैं। सीएमएस डॉ. आरपी सिंह ने बताया कि पहले से मरीजों का लोड कुछ कम हुआ है।लोकबंधु रू 300 बेड, 220 मरीज भर्तीलोकबंधु 300 बेड का अस्पताल है। यहां वर्तमान में 200 मरीज भर्ती है। यहां भी कई दिनों से मरीजों का दबाव है।इन अस्पतालों में ज्यादातर बेड खाली हैंआरएलबी रू 110 बेड, 10 मरीज भर्तीरानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय की 110 बेड की क्षमता है। डेंगू के लिए यहां 25 बेड आरक्षित हैं, लेकिन एक मरीज ही भर्ती है। सीएमएस डॉ. संगीता टंडन ने बताया कि अस्पताल में कुल 10 मरीज भती हैं। ठाकुरगंज अस्पताल रू 240 बेड, 64 मरीज भर्ती ठाकुरगंज संयुक्त चिकित्सालय की 240 बेड की क्षमता है, लेकिन यहां 165 बेड पर ही भर्ती हो रही है। अभी डेंगू के नौ मरीज भर्ती हैं। सीएमएस डॉ. आनंद बोध के मुताबिक पूरे अस्पताल में कुल 64 मरीज भर्ती हैं। यहां अभी काफी बेड खाली हैं।बीआरडी रू 100 बेड, 25 मरीज भर्तीबीआरडी महानगर 100 बेड का अस्पताल है। 70 बेडों पर भर्ती की जा रही है। अस्पताल में छह बेड पर डेंगू के मरीजों सहित कुल 25 मरीज भर्ती है।

# ताइवान से तनाव के बीच युद्ध के लिए तैयार हो रहा चीन

ताइवान के साथ बढ़ते तनाव के बीच हाल ही में चीनी राष्ट्रपति द्वारा दिए गए एक आदेश को युद्ध के लिए अपनी तैयारी और दुनिया को अपनी सेना का दम दिखाने के साथ ही एक चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि आलोचकों का कहना है कि चीनी राष्ट्रपति के इस आदेश से चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की कमजोरी भी झलकती है। चीनी राष्ट्रपति ने दिया था सेना को युद्ध के लिए तैयार होने का आदेश गौरतलब है कि ताइवान के साथ बढ़ते तनाव के बीच चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बीते आठ नवंबर को देश की सेना को जंग के लिए तैयार रहने का आदेश दे दिया था। उन्होंने कहा था कि चीन अपनी सेना का युद्ध प्रशिक्षण मजबूत करेगा क्योंकि देश में सुरक्षा की स्थिति लगातार अस्थिर और अनिश्चित बनती जा रही है। 20वीं सीपीसी राष्ट्रीय कांग्रेस के सिद्धांतो का पालन करने का दिया निर्देश स्काई न्यूज ऑस्ट्रेलिया की रिपोर्ट के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति ने बीजिंग में केंद्रीय सैन्य आयोग के संयुक्त अभियान कमान सेंटर के दौरे के दौरान यह आदेश दिया। सीसीटीवी के अनुसार जिनपिंग ने कहा कि चीन अब अपने सैन्य प्रशिक्षण और किसी भी युद्ध की तैयारी को व्यापक रूप से मजबूत करेगा। उन्होंने ने सशस्त्र बलों को 20वीं सीपीसी राष्ट्रीय कांग्रेस के मार्गदर्शक सिद्धांतों का पूरी तरह से अध्ययन, प्रचार और कार्यान्वयन करने और राष्ट्रीय रक्षा और सेना को और आधुनिक बनाने के लिए ठोस कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इतना ही नहीं, शी ने चीनी सेना को राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की रक्षा करने और पार्टी और लोगों द्वारा सौंपे गए विभिन्न कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने का भी निर्देश दिया। भोजन और पानी की आपातकालीन आपूर्ति को लेकर जारी हुए थे निर्देश गौरतलब है कि हाल के कुछ महीनों में चीनी राष्ट्रपति द्वारा दिए गए आदेशों को देखें तो पता चलता है कि वे युद्ध का मन बना चुके हैं और इसी बाबत वे न केवल सेना बल्कि चीन के नागरिकों को भी आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए तैयार कर रहे हैं। बीते अक्तूबर के एक आदेश से यही प्रतीत होता है।ताइवान के साथ बढ़ते तनाव के बीच हाल ही में चीनी राष्ट्रपति द्वारा दिए गए एक आदेश को युद्ध के लिए अपनी तैयारी और दुनिया को अपनी सेना का दम दिखाने के साथ ही एक चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि आलोचकों का कहना है कि चीनी राष्ट्रपति के इस आदेश से चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की कमजोरी भी झलकती है। दरअसल, अक्तूबर में चीन के शेनझेन प्रांत में सभी निवासियों को 72 घंटे के लिए भोजन और पानी जैसी आपातकालीन आपूर्ति और एक आग कंबल तैयार करने का आदेश दिया गया था। साथ ही शेनझेन ने उसी दिन यह भी घोषणा की थी कि चीनी नेता शी जिनपिंग ने सैनिकों को युद्ध की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा है। इसके कारण यह चिंता बढ़ गई कि बीजिंग संघर्ष के लिए तैयार हो रहा है। वहीं, शी जिनपिंग ने शेनझेन और ग्वांगडोंग प्रांत से लगभग 220 मील दूर चाओझोउ शहर का भी दौरा किया था। यहां उन्होंने चीनी नौसेनिकों से कहा था कि वे युद्ध की तैयारियों में अपनी उर्जा का प्रयोग करें। गौरतलब है कि शेन्जेन और चाओझोउ दोनों ताइवान के पश्चिम में स्थित हैं।सेना की वर्दी पहनकर जिनपिंग ने पहले भी दिए निर्देश चीन के केंद्रीय सैन्य आयोग में सैनिकों को संबोधित करते हुए सेना की वर्दी पहनकर जिनपिंग पहले भी इसी तरह की टिप्पणी कर चुके हैं। लेकिन, उनकी ताजा टिप्पणी, ताइवान को लेकर अमेरिका के साथ चीन के बढ़ते तनाव के बीच आई है। अगस्त में अमेरिकी स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद यह तनाव बढ़ गया है। चीन ने पेलोसी की यात्रा को अपनी संप्रभुता के लिए एक चुनौती के रूप में देखा और ताइवान के ऊपर बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास शुरू कर और बैलिस्टिक मिसाइल दागकर ताकत के प्रदर्शन के साथ जवाबी कार्रवाई की। ताइवान को लेकर चीनी नीति और सख्तशी जिनपिंग के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान ताइवान को लेकर चीनी नीति और सख्त हुई है। चीन सरकार का कहना है कि ताइवान उसका अलग द्वीप प्रांत है, उसका जल्द ही चीन में विलय हो जाएगा। जबकि अमेरिका व उसके अन्य पश्चिमी सहयोगी देश चीन के इस रवैये का विरोध करते हुए ताइवान को स्वतंत्र देश मानते हैं। दरअसल, अक्तूबर में चीन के शेनझेन प्रांत में सभी निवासियों को 72 घंटे के लिए भोजन और पानी जैसी आपातकालीन आपूर्ति और एक आग कंबल तैयार करने का आदेश दिया गया था। साथ ही शेनझेन ने उसी दिन यह भी घोषणा की थी कि चीनी नेता शी जिनपिंग ने सैनिकों को युद्ध की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा है। इसके कारण यह चिंता बढ़ गई कि बीजिंग संघर्ष के लिए तैयार हो रहा है। वहीं, शी जिनपिंग ने शेनझेन और ग्वांगडोंग प्रांत से लगभग 220 मील दूर चाओझोउ शहर का भी दौरा किया था। यहां उन्होंने चीनी नौसेनिकों से कहा था कि वे युद्ध की तैयारियों में अपनी उर्जा का प्रयोग करें। गौरतलब है कि शेन्जेन और चाओझोउ दोनों ताइवान के पश्चिम में स्थित हैं।सेना की वर्दी पहनकर जिनपिंग ने पहले भी दिए निर्देश चीन के केंद्रीय सैन्य आयोग में सैनिकों को संबोधित करते हुए सेना की वर्दी पहनकर जिनपिंग पहले भी इसी तरह की टिप्पणी कर चुके हैं। लेकिन, उनकी ताजा टिप्पणी, ताइवान को लेकर अमेरिका के साथ चीन के बढ़ते तनाव के बीच आई है। अगस्त में अमेरिकी स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद यह तनाव बढ़ गया है। चीन ने पेलोसी की यात्रा को अपनी संप्रभुता के लिए एक चुनौती के रूप में देखा और ताइवान के ऊपर बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास शुरू कर और बैलिस्टिक मिसाइल दागकर ताकत के प्रदर्शन के साथ जवाबी कार्रवाई की। ताइवान को लेकर चीनी नीति और सख्तशी जिनपिंग के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान ताइवान को लेकर चीनी नीति और सख्त हुई है। चीन सरकार का कहना है कि ताइवान उसका अलग द्वीप प्रांत है, उसका जल्द ही चीन में विलय हो जाएगा। जबकि अमेरिका व उसके अन्य पश्चिमी सहयोगी देश चीन के इस रवैये का विरोध करते हुए ताइवान को स्वतंत्र देश मानते हैं। दरअसल, अक्तूबर में चीन के शेनझेन प्रांत में सभी निवासियों को 72 घंटे के लिए भोजन और पानी जैसी आपातकालीन आपूर्ति और एक आग कंबल तैयार करने का आदेश दिया गया था। साथ ही शेनझेन ने उसी दिन यह भी घोषणा की थी कि चीनी नेता शी जिनपिंग ने सैनिकों को युद्ध की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा है। इसके कारण यह चिंता बढ़ गई कि बीजिंग संघर्ष के लिए तैयार हो रहा है। वहीं, शी जिनपिंग ने शेनझेन और ग्वांगडोंग प्रांत से लगभग 220 मील दूर चाओझोउ शहर का भी दौरा किया था। यहां उन्होंने चीनी नौसेनिकों से कहा था कि वे युद्ध की तैयारियों में अपनी उर्जा का प्रयोग करें। गौरतलब है कि शेन्जेन और चाओझोउ दोनों ताइवान के पश्चिम में स्थित हैं।सेना की वर्दी पहनकर जिनपिंग ने पहले भी दिए निर्देश चीन के केंद्रीय सैन्य आयोग में सैनिकों को संबोधित करते हुए सेना की वर्दी पहनकर जिनपिंग पहले भी इसी तरह की टिप्पणी कर चुके हैं। लेकिन, उनकी ताजा टिप्पणी, ताइवान को लेकर अमेरिका के साथ चीन के बढ़ते तनाव के बीच आई है। अगस्त में अमेरिकी स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद यह तनाव बढ़ गया है। चीन ने पेलोसी की यात्रा को अपनी संप्रभुता के लिए एक चुनौती के रूप में देखा और ताइवान के ऊपर बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास शुरू कर और बैलिस्टिक मिसाइल दागकर ताकत के प्रदर्शन के साथ जवाबी कार्रवाई की।

# इंग्लैंड ने दो वर्ल्ड कप जीतने के मामले में की वेस्टइंडीज की बराबरी, जानें अब तक किसने जीता टूर्नामेंट

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में टी20 वर्ल्ड कप जीत लिया है। उसने रविवार (13 नवंबर) को हुए फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को हराया। इंग्लिश टीम ने ऐतिहासिक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खिताब जीत कर वेस्टइंडीज की बराबरी की है। वह दो बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाला दूसरा देश बन गया है। इंग्लैंड ने इससे पहले 2010 में जीत हासिल की थी। वहीं, वेस्टइंडीज 2012 और 2016 में चौंपियन बना था। भारत की बात करें तो वह 2007 के बाद चौंपियन नहीं बन पाया है। आइए जानते हैं अब तक किन–किन टीमों ने यह खिताब जीता है...

2007 में टी–20 वर्ल्डकप की शुरुआत हुई थी। महेंन्द्र सिंह धोनी ने भारतीय युवा टीम की अगुवाई की थी। दक्षिण अफ्रीका में आयोजित वर्ल्डकप में धोनी ने अपनी कप्तानी में भारत को चौंपियन बनाया था। भारत ने फाइनल मैच में पाकिस्तान को पांच रनों से हराया था। खिताबी मुकाबले में ओपनर गौतम गंभीर ने शानदार 75 रन बनाए थे। वहीं, इरफान पठान ने 16 रन देकर तीन विकेट लिए थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। टूर्नामेंट में 91 रन बनाने के साथ 12 विकेट लेने वाले पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था।

2007 फाइनल में हारने वाली टीम पाकिस्तान को खिताब के लिए लंबा इंतजार करना नहीं पड़ा। उसने अगले ही संस्करण में ट्रॉफी उठा लिया। 2009 में पाकिस्तान ने फाइनल में श्रीलंका को आठ विकेट से हराकर टूर्नामेंट जीत लिया। इंग्लैंड में आयोजित टूर्नामेंट में श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान ने सबसे ज्यादा 317 रन बनाए थे। उन्हें द टूर्नामेंट अवॉर्ड दिया गया था।

साल 2014 में टी–20 वर्ल्डकप का आयोजन बांग्लादेश में हुआ था। इस टूर्नामेंट में श्रीलंका की टीम ने ट्रॉफी अपने नाम की थी। फाइनल मैच में श्रीलंका ने भारत को छह विकेट से हराया था। श्रीलंका के लिए कुमार संगकारा ने 35 गेंदों में बेहतरीन 52 रन बनाए थे और प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। वहीं भारत के विराट कोहली ने इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 319 रन बनाए थे और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता था। इस मैच में मलिंगा और श्रीलंकाई गेंदबाजों ने अंतिम ओवरों में बहुत ही शानदार गेंदबाजी की थी।

साल 2016 में वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को हराकर दूसरी बार यह टूर्नामेंट अपने नाम किया था। यह पहला मौका था, जब किसी टीम ने दूसरी बार टी–20 वर्ल्डकप की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था। इससे पहले हर बार टी–20 वर्ल्डकप को नया चौंपियन मिला था। फाइनल मैच में एक बार फिर मार्लन सैमुअल्स ने वेस्टइंडीज की नैया पार लगाई। उन्होंने नाबाद 85 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। वहीं भारत के विराट कोहली ने इस टूर्नामेंट में 273 रन बनाए थे और एक विकेट लिया था। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। हालांकि यह टूर्नामेंट और इसका फाइनल मैच कार्लोस ब्रैथवेट के चार छक्कों के लिए ज्यादा याद किया जाता है।

टी–20 विश्व कप 2021 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराया था। वह पहली बार यह खिताब जीतने में सफल हुआ था। ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार फाइनल खेल रही न्यूजीलैंड की टीम को एकतरफा मुकाबले में शिकस्त दी थी। फाइनल में सिक्के ने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान एरॉन फिंच का साथ दिया और उन्होंने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 172 रन बनाए। टीम की ओर से कप्तान केन विलियमसन को छोड़कर कोई बल्लेबाज नहीं चला। विलियमसन ने 48 गेंदों पर 85 रन की पारी खेली। जवाब में मार्श ने मैक्सवेल के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 63 रन की नाबाद साझेदारी की और टीम को चौंपियन बनाया। मार्श 50 गेंदों पर 77 रन और मैक्सवेल 18 गेंदों पर 28 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से बोल्ट ने दो विकेट लिए। इसके अलावा डेविड वार्नर 38 गेंदों पर 53 रन बनाकर आउट हुए। मेलबर्न में इस वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला खेला गया। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पाकिस्तान की टीम ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 137 रन बनाए। उसके लिए शान मसूद ने 38 और कप्तान बाबर आजम ने 32 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए सैम करन ने सर्वाधिक तीन विकेट लिए। जवाब में इंग्लैंड की टीम ने 19 ओवर में पांच विकेट पर 138 रन बनाकर टूर्नामेंट को अपने नाम कर लिया। बेन स्टोक्स ने 49 गेंद पर नाबाद 52 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। सैम करन ने टूर्नामेंट में कुल 13 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच के अलावा प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया।

# प्टथ ट्रीटमेंट को याद कर छलका देबीना का दर्द, बोलीं– बढ़ा हुआ वजन देख लोग समझते थे प्रेग्नेंट

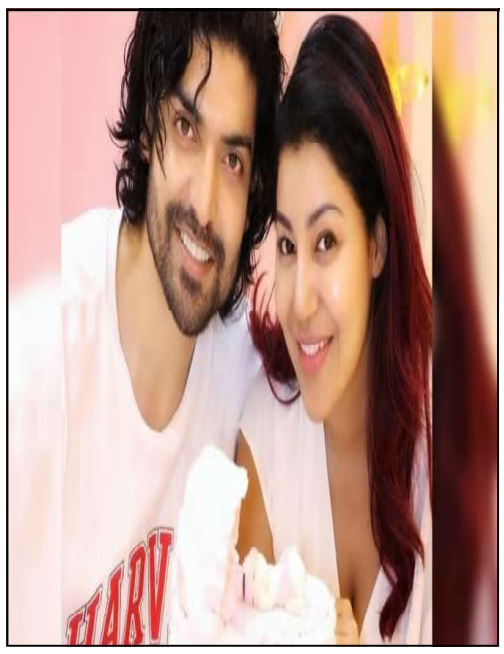

टीवी के पॉपुलर कपल्स में से एक देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी सबके चहेते हैं। दोनों के घर हाल ही में दूसरी बेटी का जन्म हुआ है। देबीना की पहली बेटी लियाना के जन्म के बाद महज सात महीने में दोबारा मां बनी देबीना का यह सफर आसान नहीं था। देबिना ने नैचुरल तरीके से गर्भवती होने की कोशिश करते हुए खूब संघर्ष किया था और बाद में मां बनने के लिए आईवीएफ का सहारा लिया था। अब दूसरी बार मां बनी देबीना ने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में, देबिना ने उन दिनों को याद किया जब वह आईवीएफ ट्रीटमेंट के लिए हॉस्पिटल जाया करती थीं।

देबीना बनर्जी ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने आईवीएफ के चार राउंड्स का ऑप्शन चुना था और कई असफल प्रयासों के बाद बेटी लियाना को कंसीव करने में वह सफल हुई थीं। इससे पहले ही उन्हें एहसास हो गया था कि वह कंसीव करने में सक्षम नहीं हैं। लेकिन उन्होंने सबसे ज्यादा दिक्कत और परेशानी तब हुई थी, जब उनसे उनके रिश्तेदार पूछते थे कि वह बच्चे को जन्म कब देंगी। अभिनेत्री ने बताया की यह उनके जीवन का वह दौर था, जो उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित करता था। लेकिन यह सच था और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया था।

देबिना बनर्जी ने मीडिया संस्थान से बात करते हुए कहा, श्खुशखबरी कब दे रही हो? क्या यही जीवन का एकमात्र कारण है जो आपको खुश करता है? अगर मैं मां नहीं सकती तो मैं एक इंसान के रूप में आपको खुश नहीं कर सकती? इस तरह की बातें बहुत आहत करने वाली थीं। हो सकता है यह खुशी की बात हो लेकिन एक ऐसे व्यक्ति के लिए जो कोशिश कर रहा है और फिर भी नहीं हो रहा है, यह बहुत दुखदायी है। देबिना ने कहा कि वह अपने आईवीएफ ट्रीटमेंट के कारण उस दौरान छोटी–छोटी सी बातों पर भी बहुत संवेदनशील हो जाती थीं।

वह कहती हैं, श्क्योंकि मैं ट्रीटमेंट करा रही थी। मेरे शरीर के अंदर बहुत सारे हार्मोन्स एक्टिव थे, जिसके कारण मेरा वजन थोड़ा बढ़ गया था। मेरा पेट भी बढ़ गया था। इस दौरान मैंने एक टाइट ड्रेस में तस्वीर डाली थी, जिसमें मेरा पेट नजर आ रहा था। उसपर एक यूजर ने लिखा श्क्या वह गर्भवती है?श मैंने एक वीडियो देखा। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि इस पर मेरी क्या प्रतिक्रिया होनी चाहिए। लोग मुझे हॉस्पिटल में देखते थे और दूसरों को बताते थे हां, वह गर्भवती है और वह छिपा रही है। मैं उन्हें कैसे बताऊं कि मैं नहीं हूं? और मैं कोशिश कर रही हूं, इसलिए यह पूछने का समय नहीं है। उन दिनों मैं बहुत परेशान महसूस करती थी।

आपको बता दें, देबीना और गुरमीत की शादी साल 2011 में हुई थी। दोनों ने इसी साल दोनों ने अपनी पहली बेटी लियाना का स्वागत किया था, वहीं अब देबीना और गुरमीत के घर एक और छोटी सी नन्ही राजकुमारी का जन्म हुआ है।

# डांस के बाद सिंगिंग का जादू चलाएंगी सपना चौधरी, डांसिंग क्वीन का नया गाना खोट कल होगा रिलीज

डांसिंग क्वीन सपना चौधरी अक्सर मीडिया की सुर्खियों में रहती हैं। सपना अपने जबरदस्त डांस मूव्स के लिए जानी जाती हैं। फिल्मी गानों से लेकर लोकगीतों तक पर सपना चौधरी धमाकेदार अंदाज में ठुमके लगाती हैं। यही वजह है कि उनके शो में खूब भीड़ जुटती है। सपना के फैंस के लिए अब एक खुशखबरी है। उनके डांस के साथ–साथ फैंस अब उनकी सिंगिंग को भी एंजॉय कर सकेंगे। जी हां, कल सपना चौधरी का एक नया गाना रिलीज होने जा रहा है। इसमें डांस के साथ–साथ वह सिंगिंग करती भी नजर आएंगी। सपना चौधरी सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर फैंस के साथ अपनी स्टाइलिश वीडियोज और फोटो शेयर करती नजर आती हैं। इसके अलावा वह अपने प्रोफेशनल फ्रंट की जानकारी भी फैंस से शेयर करती हैं। हाल ही में सपना चौधरी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है, जिसने फैंस की खुशी बढ़ा दी है। इस पोस्ट में सपना चौधरी ने अपने कल रिलीज होने जा रहे श्खोटश गाने की जानकारी दी है। सपना चौधरी ने एक वीडियो साझा किया है। साझा किए गए वीडियो में सपना ब्लैक कलर के आउटफिट में नजर आ रही हैं। इसके साथ कैप्शन में उन्होंने लिखा है, श्स्वागत के लिए तैयार हो जाइए। फाइनली श्खोटश गाना कल रिलीज होने जा रहा है।श इसके साथ उन्होंने लिखा है, श्इस गाने में मेरा डांस और आवाज दोनों होंगे।श

सपना चौधरी के इस पोस्ट पर यूजर्स की दिलचस्प प्रतिक्रिया आ रही है। हर कोई सपना की सिंगिंग की जानकारी से बेहद खुश है। यूजर्स डांसिंग क्वीन के पोस्ट पर बधाईयां दे रहे हैं। कोई हार्ट इमोजी पोस्ट कर रहा है तो कोई फायर इमोजी पोस्ट करके खुशी का इजहार करता नजर आ रहा है। एक यूजर ने लिखा, श्बधाई हो, हमें इस गाने का बेसब्री से इंतजार है।श एक अन्य यूजर ने लिखा, श्आप सच में प्रेरणा हो।

झुग्गी झोपड़ी
सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित
सम्पादक
संजय कुमार यादव
RNI No.: UPHIN/2015/63182
दूरभष : 0532–2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23
e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com
Website- www.Jhuggijhopari.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा